सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-10
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, रविवार, 14 अप्रैल 2024

देवी कात्यायन्यै नमः

भाजपा का संकल्प पत्र जारी, बुजुर्गों को मुफ्त इलाज, गरीबों को मिलेगा फ्री राशन

➔ भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जन्म जयंती है।

➔ डॉ भीमराव अंबेडकर ने अपना सारा जीवन सामाजिक न्याय की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया।

➔ कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाजपा मुख्यालय पहुंचे हैं।

सिटी चीफ... नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने अपना चुनावी संकल्प पत्रा जारी कर दिया है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी भाजपा मुख्यालय में पहुंचे। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भाजपा के संकल्प पत्र प्रस्तुत किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज बहुत ही शुभ दिन है। देश के कई राज्यों में इस समय नववर्ष का उत्साह है। इसके अलावा आज बाबा साहब अंबेडकर की जयंती भी है। ऐसे पावन समय में आज भाजपा ने विकसित भारत के संकल्प पत्र को देश के सामने रखा है। पीएम मोदी ने कहा कि पूरे देश को भाजपा के संकल्प पत्र का बहुत इंतजार रहता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का संकल्प पत्र विकसित भारत के 4 मजबूत स्तंभ, युवा शक्ति, नारी शक्ति, गरीब, किसान को सशक्त करेगा। भाजपा में संकल्प पत्र में मोदी की इन गारंटी का विशेष जिक्र है, जिनका उल्लेख पीएम मोदी ने अपने भाषण में किया।

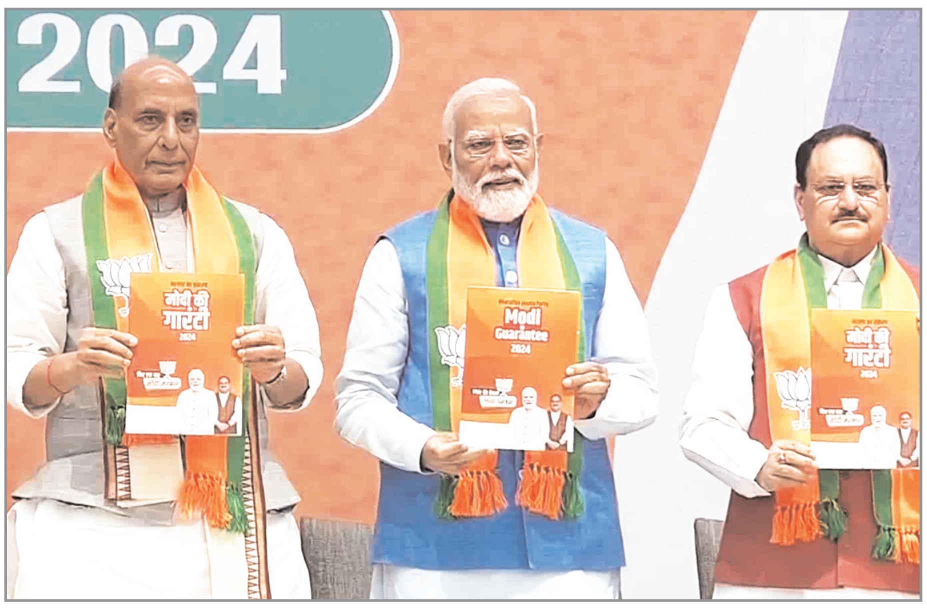

संकल्प पत्र में मोदी की ये गारंटी

- देश में जन औषधि केंद्रों का विस्तार किया जाएगा, लोगों को सस्ती दवाएं लगातार मिलती रहेगी।
- 70 साल से अधिक उम्र के सभी बुजुर्गों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलेगा।
- देश में मुफ्त राशन योजना अगले 5 साल तक जारी रहेगी।
- आने वाले 5 वर्ष नारीशक्ति की नई भागीदारी के होंगे।
- भाजपा सरकार ने गरीबों को 4 करोड़ पक्के घर बनाकर दिए हैं। अब हम 3 करोड़ घर और बनाने का संकल्प लेते हुए आगे बढ़ेंगे।
- देश में वंदे भारत ट्रेनों का विस्तार होगा।
- सस्ते सिलेंडर के बाद अब पाइप से सस्ती रसोई गैस घर-घर पहुंचाने के लिए तेजी से काम करेंगे।
- नमो ऐप से मिले 4 लाख सुझाव

100 दिन के एक्शन प्लान पर काम शुरू

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भाजपा के संकल्प पत्र पर 4 जून के नतीजे के बाद तुरंत तेजी से काम शुरू हो जाएगा। हमारी सरकार ने पहले से ही 100 दिन के एक्शन प्लान पर काम करना शुरू कर दिया है। देश को 140 करोड़ देशवासियों का अपना एम्बिशन, मोदी का मिशन है।

10 साल के काम का उल्लेख

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे. पी. नड्डा ने कहा कि बीते 10 साल इस बात का प्रमाण है कि मोदी की गारंटी, गारंटी पूरी होने की गारंटी है। उन्होंने कहा कि बीते 10 साल में 60,000 नए गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम किया गया है और बारहमासी सड़कें बनाई गई है। उन्होंने कहा कि हमने कभी कल्पना नहीं की थी कि गांव सशक्त होंगे और ऑप्टिकल फाइबर लाइन गांव तक पहुंच जाएगी, लेकिन आज खुशी है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में 1.2 लाख पंचायतों को ऑप्टिकल फाइबर से जोड़ा दिया गया है और उन्हें इंटरनेट सुविधाओं से भी जोड़ा गया है। देश की 25 करोड़ आबादी अब गरीबी रेखा से ऊपर उठ चुकी है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी अब 1 प्रतिशत से भी कम हो गई है।

देशवासियों से किया हर वादा पूरा किया

इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने देशवासियों से किया हुआ हर वादा पूरा किया है। चाहें 2014 का संकल्प पत्र हो या 2019 का घोषणापत्र हो पीएम मोदी के नेतृत्व में हर संकल्प को पूरा किया है। जब पीएम मोदी के नेतृत्व में हम 2014 का चुनाव लड़ा था तो उस समय मैं पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष था। तब मोदी जी के आग्रह को ध्यान में रखते हुए पार्टी का जो संकल्प पत्र तैयार किया गया था, उसमें इस बात का विशेष ध्यान रखा गया था कि जो भी संकल्प हम देश के सामने रखें उसे हम पूरा करें। मुझे ये कहते हुए प्रसन्नता है कि 2019 में जो भी संकल्प हमने लिए आज 2024 तक उन सबको पूरा करने में हमने कामयाबी हासिल की है। इन मुद्दों पर मिल सकती है मोदी की गारंटी भाजपा के संकल्प पत्र में गरीब, युवा, किसान और महिला सशक्तिकरण जैसे अहम मुद्दों पर केंद्रित हो सकता है। भाजपा के संकल्प पत्र की थीम 2047 तक विकसित भारत बनाने की 'मोदी की गारंटी' पर आधारित हो सकती है। इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के पैसे बढ़ाने की घोषणा भी की जा सकती है। फिलहाल इस योजना के तहत किसानों को सालाना 6000 रुपये दिए जाते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि संकल्प पत्र तैयार करने के लिए 4 लाख सुझाव ह्रस्न्न ऐप के माध्यम से भी आए और करीब 10 लाख सुझाव वीडियो के माध्यम से आए। सभी बातों पर बहुत ही गंभीरतापूर्वक विचार हुआ है। हर विषय का 360 डिग्री विश्लेषण करने के बाद हमने विषयों को 24 समूह में बांटा है। मुझे पूरा विश्वास है कि जिन संकल्पों को हम यहां रख रहे हैं वो 2047 के विकसित भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को विस्तृत भी करेंगे, आकार भी देंगे और इसे साकार करने में भी ये मददगार साबित होंगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जन्म जयंती है। डॉ भीमराव अंबेडकर ने अपना सारा जीवन सामाजिक न्याय की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया। डॉ भीमराव अंबेडकर के रास्ते पर चलते हुए भारतीय जनसंघ से लेकर भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता में रहते हुए और ना रहते हुए हमेशा इस सामाजिक लड़ाई को लड़ा है।

बाबा साहेब की जन्मस्थली महू में उमड़े अनुयायी

समता सैनिक दल ने दी सलामी,देर रात हुई भव्य आतिशबाजी

सिटी चीफ... महू। महू शहर के आंबेडकर जन्मभूमि स्मारक पर रात 12 बजते ही विश्व की सबसे बड़ी डा. भीमराव आंबेडकर जयंती पर हजारों श्रद्धालुओं ने एक साथ जय भीम के नारे लगाए। इसके साथ ही भव्य आतिशबाजी शुरू हुई। आतिशबाजी करीब 20 मिनट तक चलती रही। वहीं समता सैनिक दल द्वारा सलामी दी गई। रविवार को उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी महू पहुंचकर अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। वहीं मुख्यमंत्री डा मोहन यादव का भी महू दौरा प्रस्तावित था, लेकिन यह निरस्त हो गया.प्रदेश नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार व अन्य कांग्रेस नेता भी महू पहुंचे और बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। इसके साथ ही मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी माल्यार्पण किया।

बता दे कि महू शहर में डा. भीमराव आंबेडकर की जयंती पर पिछले तीन दिन से उत्सव जारी है। रविवार को बाबा साहब की जयंती पर दूर-दूर से श्रद्धालु दर्शन करने पहुंचे। साथ ही हजारों श्रद्धालु दो दिनों से महू में रूके हुए हैं, उन्होंने भी आज बाबा साहेब के दर्शन किए। हालांकि पिछले सालों की तुलना में इस बार अनुयायियों की भीड़ कम नजर आई। अनुयायियों के लिए स्वर्ग मंदिर में लगातार भोजन दिया जा रहा है। साथ ही बौद्ध भिक्षुओं के लिए माहेश्वरी विद्यालय में रुकने व भोजन की व्यवस्था की गई। शनिवार को भी बड़ी संख्या में बौद्ध भिक्षु व अनुयायी बाबा साहब के दर्शन करने पहुंचे। इस दौरान बौद्ध भिक्षुओं ने अस्थि कलश हाल में अनुयायियों को बौद्ध प्रार्थना

बाबा साहब की जन्मस्थली पर उमड़ी लोगों की भीड़

उपमुख्यमंत्री ने किया माल्यार्पण, अनुयायियों के आने का दौर जारी

महू में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की 133वी जयंती मनाई जा रही है। जिसको लेकर बड़ी संख्या में महाराष्ट्र और आसपास के क्षेत्रों से बाबा साहब के अनुयायी महू पहुंचे। काली पलटन पर स्थित अंबेडकर स्मारक पर रविवार सुबह से ही बड़ी संख्या में भीड़ लगी रही।

घोड़े पर सवार रहे महाराष्ट्रीयन परिधान में युवक-युवतियां

शनिवार को महू शहर में डा. भीमराव आंबेडकर राष्ट्रीय गौरव यात्रा निकाली गई। जिसमें बैंड-बाजे, डीजे व रथ शामिल रहे। सबसे आगे घोड़ों पर युवक व युवतियां पारंपरिक महाराष्टीय परिधान में घोड़े पर सवार रहीं। वहीं रथ में बाबा साहब की तस्वीर व बौद्ध भिक्षु सवार रहे। डीजे पर महिलाएं भी पारंपरिक महाराष्टीयन परिधान में नृत्य करती हुई चलती रहीं। रथों को भी विद्युत रोशनी से सजाया गया।

समिति के विवाद के कारण रद्द हुए कार्यक्रम

प्रतिवर्ष होने वाला भव्य आयोजन इस बार डा. बाबासाहेब आंबेडकर मेमोरियल सोसायटी (आंबेडकर जन्मभूमि स्मारक सोसायटी) के अंतर कलह के कारण पूरी तरह फ्लॉप हो गया है। समिति सदस्यों व सचिव के बीच चल रहे झगड़े के कारण समिति ने सभी कार्यक्रमों को निरस्त कर दिया। शनिवार को कार्यक्रम के तहत रात 9 बजे से गीत संगीत कार्यक्रम होना था। जिसमें डा. आंबेडकर की विचारधारा के ख्यात लोकशाहीर संभाजी भगत गीत-संगीत प्रस्तुत करने वाले थे। इस कार्यक्रम के लिए शाम 6 बजे से ही भीड़ जमा होना शुरू हो गई। परंतु स्मारक समिति द्वारा कार्यक्रम रद्द कर दिया गया। जिसके कारण अनुयायियों को निराश होना पड़ा।

वैश्विक स्तर पर रोजाना 3500 लोगों की हो रही मौत

चीन के बाद हेपेटाइटिस बी-सी के मामलों में भारत दूसरा देश

सिटी चीफ... नई दिल्ली। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने अपनी हालिया रिपोर्ट में भारत में बढ़ते संक्रामक रोगों को लेकर चेतावनी जारी की है। रिपोर्ट के अनुसार साल 2022 में भारत में हेपेटाइटिस बी और सी के मामलों में काफी तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है, इस साल 3.5 करोड़ से अधिक संक्रमण के मामले दर्ज किए गए हैं। चीन के बाद भारत हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण के सबसे अधिक मामले वाला दूसरा देश बन गया है। ये स्वास्थ्य के लिए गंभीर सूचक है। डब्ल्यूएचओ की 2024 ग्लोबल हेपेटाइटिस रिपोर्ट के अनुसार, साल 2022 में वैश्विक स्तर पर 254 मिलियन (25.4 करोड़) लोग हेपेटाइटिस बी और 50 मिलियन (पांच करोड़) लोग हेपेटाइटिस-सी से पीड़ित थे। इतना ही नहीं वायरल हेपेटाइटिस के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ रही है। विश्व स्तर पर इस संक्रामक रोगों के कारण प्रतिवर्ष 1.3 मिलियन (13 लाख) से अधिक मौतें होती हैं। दुनियाभर में होने वाले इस संक्रमण में से 11.6 प्रतिशत मामले अकेले भारत से ही रिपोर्ट किए जाते हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा, सभी लोगों को इन संक्रामक रोगों के बारे में जागरूक रहना और बचाव के उपाय करते रहना जरूरी है। विश्व हेपेटाइटिस शिखर सम्मेलन में जारी रिपोर्ट में कहा गया है, हर दिन हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण के कारण वैश्विक स्तर पर 3,500 लोग मर रहे हैं। पांच प्रकार के वायरस, वायरल हेपेटाइटिस के विभिन्न रूपों का कारण बनते हैं जिनमें हेपेटाइटिस ए, बी, सी, डी और ई प्रमुख हैं। हेपेटाइटिस बी और सी संक्रमण मुख्यरूप से लिवर को प्रभावित करते हैं, इससे न सिर्फ लिवर में सूजन हो सकती है साथ ही गंभीर स्थितियों में लिवर डैमेज होने का भी जोखिम रहता है।

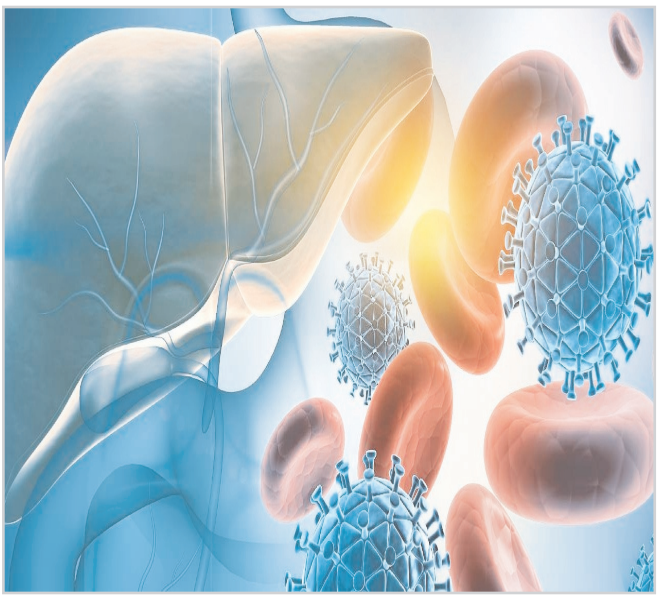

कैसे फैलता है हेपेटाइटिस बी और सी का संक्रमण?

हेपेटाइटिस-बी लिवर का संक्रमण है जो हेपेटाइटिस-बी नामक वायरस के कारण होता है। अधिकांश लोगों में ये संक्रमण कुछ समय में ठीक हो जाता है हालांकि कुछ स्थितियों में ये छह महीनेतक भी रह सकता है। वहीं हेपेटाइटिस-सी वायरस के कारण होने वाले लिवर की सूजन के कारण गंभीर रोग के मामले लिवर सिरोसिस और कैंसर तक का जोखिम हो सकता है। हेपेटाइटिस-बी का संक्रमण संक्रमित व्यक्ति के रक्त, वीर्य या शरीर का अन्य तरल पदार्थ के स्वस्थ व्यक्ति के शरीर में प्रवेश से फैलता है। वहीं हेपेटाइटिस सी, संक्रमित व्यक्ति के रक्त के संपर्क में आने से होता है। अधिकांश लोग दवाएं तैयार करने और इंजेक्शन के लिए उपयोग की जाने वाली सुइयों को साझा करने से हेपेटाइटिस सी वायरस से संक्रमित हो जाते हैं।

क्या हैं इस संक्रमण के लक्षण?

हेपेटाइटिस-बी संक्रमण की स्थिति में लक्षण नजर आना जरूरी नहीं है। इसमें कुछ लोगों को बुखार, भूख में कमी, पेट में दर्द-उल्टी होने, कमजोरी और थकान की समस्या के साथ लिवर से संबंधित कुछ दिक्कतें हो सकती हैं। गंभीर स्थितियों में पीलिया, गहरे रंग का पेशाब होने, पेट या हाथ और पैरों में तरल पदार्थ के साथ सूजन की समस्या हो सकती है। इसी तरह से हेपेटाइटिस-सी के संक्रमण की स्थिति में पेट के ऊपरी हिस्से में दाहिनी तरफ दर्द, पेट में सूजन होने के साथ बुखार, खुजली, पीलिया जैसी दिक्कतें देखी जाती हैं। लक्षणों का समय रहते पहचान करना आवश्यक हो जाता है।

सिंगल कॉलम

महाकाल पुलिस ने दो बिछड़े यात्रियों को स्वजन से मिलवाया

उज्जैन। महाकाल थाने में पदस्थ एएसआइ ने जबलपुर व महाराष्ट्र के भंडारा से आए दो श्रद्धालुओं को उनके स्वजन से मिलवाया। दोनों महाकाल दर्शन करने के लिए स्वजन के साथ आए थे। यहां दर्शन के बाद वह बिछड़ गए थे। एएसआइ चंद्रभानसिंह ने बताया कि अशोक पुत्र दशरथ खांडेकर उम्र 54 वर्ष निवसी तुरसार रोड भंडारा महाराष्ट्र अपने स्वजन के साथ महाकाल मंदिर दर्शन करने के लिए आए थे। यहां दर्शन के दौरान लाइन में वह बिछड़ गए। अशोक को स्वजन का मोबाइल नंबर याद नहीं था। इस पर एएसआइ सिंह ने अशोक के पुलिस थाने पर फोन लगाकर वहां से अशोक के साथ आए स्वजन के नंबर लिए और फोन कर अशोक को उनसे मिलवाया। इसके अलावा अनुसुइया पत्नी अनोखेलाल सेन उम्र 72 वर्ष निवासी बरगी कालोनी जबलपुर भी अपने स्वजन के साथ उज्जैन आई थी। यहां रामघाट पर वह स्वजन से बिछड़ गई थी। तीन-चार घंटे तक स्वजन का पता नहीं चला। इसके बाद एएसआइ सिंह ने रामघाट चौकी पर जाकर महिला के संबंध में अनाउंसमेंट कराया। जिसके बाद महिला के स्वजन आए और उसे साथ ले गए।

12 साल बाद गुरु आदित्य योग में मनेगा भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव

उज्जैन। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि पर 17 अप्रैल को 12 साल बाद गुरु आदित्य योग में रामनवमी मनाई जाएगी। मध्याह्नकाल में दोपहर 12 बजे भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव मनेगा। शंख, घंटे घड़ियाल की मंगल ध्वनि के साथ जन्म आरती होगी। भक्तों को पंजेरी महाप्रसादी का वितरण होगा। ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला के अनुसार 17 अप्रैल को बुधवार के दिन अश्लेषा नक्षत्र, शूल योग, कोलव करण व कर्क राशि के चंद्रमा की साक्षी में राम जन्म का पर्व मनाया जाएगा। ग्रह गोचर की गणना से देखें तो इस बार गुरु आदित्य के संयोग में रामनवमी का त्योहार आ रहा है। रामनवमी के दिन गुरु व सूर्य एक साथ मेष राशि में रहेंगे। सूर्य व गुरु का एक साथ एक राशि में मौजूद होना गुरु आदित्य योग का निर्माण करता है। सूर्य मेष राशि में उच्च के माने जाते हैं और गुरु समकारक मित्र है। इस दृष्टि से इस योग में किया गया धार्मिक कार्य चिरकाल तक समृद्धि का कारण बनता है। 12 वर्ष में बनता है एक बार संयोग ज्योतिष शास्त्र में ग्रहों के राशि परिवर्तन की स्थिति अलग-अलग प्रकार से होती है। कुछ ग्रह 30 से 40 दिन में राशि परिवर्तन करते हैं। शनि ढाई वर्ष में तथा बृहस्पति का राशि परिवर्तन एक वर्ष में होता है। वर्तमान ग्रह गोचर की गणना से देखें तो इस बार रामनवमी पर बृहस्पति मेष राशि में गोचरस्थ रहेंगे और सूर्य के साथ युति संबंध बनाएंगे। बृहस्पति व सूर्य मेष राशि पर 12 वर्ष बाद आ रहे हैं। इस दृष्टि से यह गुरु आदित्य योग 12 वर्ष में बन रहा है। यह एक विशेष प्रकार की धार्मिक और आध्यात्मिक स्थिति है। क्योंकि सूर्य और गुरु दोनों धर्म के कारक ग्रह हैं। इससे धर्म के प्रचार प्रसार की स्थिति बनेगी। आध्यात्मिक और वैज्ञानिक दृष्टि से लोग परम शक्ति को समझने का प्रयास करेंगे। मनोकामना अनुसार रामनवमी से वर्षभर करें यह पाठ श्री राम मंगल शासनम- नेतृत्व क्षमता प्राप्त होगी। श्री राम स्तुति- भक्ति का अनुभव होगा। श्री रमाष्टकम- समस्त प्रकार के संकट समाप्त होंगे। श्री राम स्तवन- शारीरिक कष्ट से मुक्ति मिलेगी। रामायण जी का बालकांड- संतान सुख की प्राप्ति होगी। सुंदरकांड- ग्रहों की पीड़ा से मुक्ति मिलेगी, संकट समाप्त होंगे। उत्तर रामायण का पारायण- पारिवारिक सुख शांति प्राप्त होगी। नव्हान पारायण- ज्ञान, भक्ति, वैराग्य व आध्यात्मिकता प्राप्त होगी।

तीसरे दिन भी शहर में पानी की किल्लत, 17 टंकियां रहीं खाली

इन्दौर। जलूद में तीन दिन से फाल्ट सुधारने की मशक्कत चल रही है और खामियाजा शहर के लोगों को भुगतना पड़ रहा है। आज तीसरे दिन भी नल नहीं आए और 17 टंकियां खाली रहने के कारण सैकड़ों कालोनियों में लोग पानी के लिए परेशान होते रहे।नगर निगम अधिकारियों के मुताबिक जलूद इंटकवेल के समीप पम्प क्रमांक एक की पैनल में इलेक्ट्रिक फाल्ट होने के कारण पंप बंद करना पड़े थे। इसके साथ ही ग्राम बरखेड़ा में नर्मदा की मेन सप्लाय लाइन फूट गई थी। दोनों कार्यों के लिए जलूद की टीमों ने सुधार कार्य शुरू किए थे। पिछले तीन दिनों से सुधार कार्य चल रहा है, जिसके चलते शहर में पानी नहीं मिल पा रहा है। कल रात भी सुधार कार्य पूरा नहीं हो पाया। पहले और दूसरे चरण के पंप बंद होने के कारण अन्नपूर्णा, स्कीम 103, राजोमोहल्ला, भक्त प्रहलाद नगर, छत्रीबाग, द्रविड़ नगर, लोकमान्य नगर, जिंसी, महाराणा प्रताप नगर, अग्रबत्ती काम्प्लेक्स, नरवल, कुशवाह मोहल्ला, टिगरिया बादशाह, मल्हाराश्रम, गांधी हाल, सुभाष चौक, सदर बाजार की टंकियां पूरी तरह खाली रहीं और कई टंकियां आधी-अधूरी ही भर पाईं। अफसरों का कहना है कि एक-दो दिन में जलप्रदाय सामान्य हो जाएगा, वहीं सुधार कार्य पूरा कर लिया गया है।

फूटी कोठी पर होगा वार्षिक स्नेह सम्मेलन, कंचन बाग में होगी जैन समाज की साधारण सभा

सिटी चीफ इंदौर।
शहर में विभिन्न धार्मिक-सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के कार्यक्रम 14 अप्रैल को होंगे। इसमें दिगंबर जैन समाज की साधारण सभा का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ शंकराचार्य श्री भारत तीर्थ का जन्मोत्व भी मनेगा। माहेश्वरी मेवाड़ा पंचायती थोक डेढ़ सौ का वार्षिक स्नेह मिलन समारोह होगा। इसके अतिरिक्त योग से रोग निवारण शिविर भी लगेगा।
- योग से रोग निवारण ग्रीष्मकालीन शिविर महालक्ष्मी मंदिर उषानगर में आयोजित किया जा रहा है। शिविर में 28 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 6 बजे से 7.30 तक योग शिक्षकों द्वारा शरीर की अलग अलग बीमारियों के उपचार के लिए योग बताया जाएगा। - जगदगुरु शंकराचार्य श्री भारती तीर्थ महास्वामी का 74वां वर्धन्ती महामहोत्सव पारंपरिक वैदिक विधि विधान से मनाया जाएगा। मध्यप्रदेश ज्योतिष एवं विद्वत परिषद के मुख्यालय पर सुबह 7 बजे पूजन होगा। विद्वानों के सान्निध्य में वैदिक विधि विधान से विभिन्न पूजा उपचारों से पूजन संपन्न होगा। आयुष्य सूक्त से अभिषेक

और श्रृंगेरी शंकराचार्य की आचार्य परंपरा पर पंडित सोमेंद्र शर्मा व्याख्यान देंगे। यदि आपकी रुचि इतिहास को करीब से जानने में है तो आप छत्रीबाग स्थित होलकरकालीन छत्रियों के देखने जरूर जाएं। सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक आप यहां छत्रियों को निहार सकते हैं। यहां लगे साइन बोर्ड की मदद से होलकर राजवंश के बारे में भी जान सकते हैं। यदि आप अपनी शाम मेले में बच्चों के साथ बिताना चाहते हैं और आप विजय नगर क्षेत्र में हैं तो महालक्ष्मी नगर मैदान में लगे मेले का आनद लेने जा सकते हैं। शाम 4 बजे से यहां खरीदारी के साथ झूलों का भी आनंद होगा। माहेश्वरी मेवाड़ा पंचायती थोक डेढ़ सौ का वार्षिक स्नेह सम्मेलन एवं सम्मान समारोह पुखराज पैलेस, फूटी कोठी में शाम 5 बजे आयोजित किया जाएगा। इसमें विशिष्टजनों का सम्मान किया जाएगा। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद की साधारण सभा शाम 5ः15 बजे से जाल सभागृह कंचन बाग पर होगी। इससे पहले स्वास्थ्य परीक्षण एवं जांच शिविर सुबह 8ः30 बजे से दोपहर 1ः00 बजे तक जवेरी बाग परिसर में आयोजित किया जाएगा। इसमें 31 विशेषज्ञ डाक्टर सेवाएं देंगे। यदि आप कटरा स्थित वैष्णोदेवी मंदिर नहीं गए तो कोई बात नहीं इस नवरात्र में आप लालबाग परिसर के समीप बने वैष्णो देवी मंदिर होकर आएं। यहां की बनावट आपको मुख्य वैष्णोदेवी मंदिर की अनुभूति कराएगी और देवी दर्शन भी कर सकेंगे।

नर्सिंग की छात्रा ने फांसी लगाकर की खुदकुशी, दोस्त से नाराज थी मृतिका

सिटी चीफ इंदौर।
नर्सिंग छात्रा ने शनिवार को फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। छात्रा की दोस्त से बातचीत बंद हो गई थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम करवाया है। पुलिस को जानकारी मिली की छात्रा से एक युवक की दोस्ती थी लेकिन उसने बात बंद कर दी। भंवरकुआं पुलिस के मुताबिक मूलतः खरगोन जिला निवासी अंजू पहाड़ सिंह भामोर गणेश नगर में किराए रहती थी। वह नर्सिंग की पढ़ाई कर रही थी। अंजू क्षिप्रा क्षेत्र के एक कॉलेज में पढ़ रही थी। शनिवार सुबह रूम पार्टनर अंजू के रूम में पहुंची तो वह फांसी लगा चुकी थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्ट मार्टम करवाया है। स्वजनों को भी सूचना दे दी गई है।
किशोरी और किशोर ने की आत्महत्या
उधर राऊ थाना क्षेत्र में किशोरी और किशोर ने भी जहर खाकर जान दे दी। पुलिस ने दोनों के शवों का पोस्टमार्टम करवाया है। टीआई राजपाल राठौर के मुताबिक दिलीप चौधरी निवासी रंगवासा ने तीन दिन पूर्व जहर खाया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसी तरह 12 वर्षीय मुस्कान की भी जहर खाने से मौत हुई है।

मुस्कान आत्महत्या कांड नहीं मिली पुलिस को असल वजह
बीबीए फाइनल की छात्रा मुस्कान अग्रवाल आत्महत्या केस में पुलिस ने सभी स्वजन के कथन ले लिए लेकिन ठोस वजह नहीं पता चली। पुलिस अब फोन की जांच में ही जुटी है। पुलिस को शक है कि मुस्कान ने बीमारी की वजह से ही आत्महत्या की है। पुलिस को पता चला है कि मुस्कान का 2018 से सोमेटाइजेशन नामक बीमारी का उपचार चल रहा था। पुलिस ने उसके रुम से ट्रीटमेंट के पर्चे भी जब्ती में लिए है।

सेवा शुल्क को लेकर इंदौर कलेक्टर सख्त पांच-छह पटवारी-आरआइ पर गिरेगी गाज

सिटी चीफ इंदौर।
राजस्व न्यायालयों में अनियमितताओं को लेकर पांच से छह पटवारी और आरआइ पर गाज गिरना तय है। जांच रिपोर्ट में इनके द्वारा सेवा शुल्क लेकर काम करने सहित कई अनियमितताएं सामने आई थीं। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद कलेक्टर आशीष सिंह ने बड़ी कार्रवाई के संकेत दिए हैं। वहीं कई नायब तहसीलदार और तहसीलदार भी कार्रवाई के दायरे में आने की संभावना है। अपर कलेक्टरों गौरव बैनल, सपना लोवंशी और रोशन राय ने राजस्व न्यायालयों का औचक निरीक्षण किया था। कलेक्टर को इसकी जांच रिपोर्ट सौंप दी है। इसमें अधिकतर राजस्व बोर्ड पर अनियमितताओं को उजागर किया गया है। सेवा शुल्क के बिना प्रकरणों का निराकरण नहीं करने के मामले भी उजागर हुए हैं। कलेक्टर आशीष सिंह राजस्व न्यायालयों की व्यवस्था सुधारने को लेकर शुरुआत से ही सख्त है। गत

दिनों राजस्व अधिकारियों की बैठक लेकर सुधार का अंतिम अवसर दिया था। कलेक्टर आशीष सिंह ने कहा कि जांच रिपोर्ट में आरआइ-पटवारी की लापरवाही और लेनदेन के मामले सामने आए हैं। वहीं नायब तहसीलदारों की अनियमिताएं भी मिली हैं। जांच रिपोर्ट के आधार पर जल्द ही कार्रवाई की जाएगी।
लंबे समय से दबाकर रखी थी फाइलें
उल्लेखनीय है कि गत दिनों कलेक्टर के निर्देश पर तीन अपर कलेक्टर ने अपने अधीन आने वाली तहसील कार्यालयों का निरीक्षण किया था। इसमें कई अनियमितताएं मिली थीं। कई तहसीलों में लंबे समय से फाइलें दबाकर रखी थीं। आवेदकों के प्रकरण पटवारी की जांच रिपोर्ट नहीं आने के कारण लंबित किए जा रहे थे। लेनदेन नहीं होने के कारण प्रकरण लंबित करने के मामले भी सामने आए हैं।

आठवीं का रिजल्ट न आने से विद्यार्थियों की ब्रिज कोर्स में रूचि नहीं, गिनती के बच्चे ही आ रहे

सिटी चीफ इंदौर।
नए शिक्षा सत्र एक अप्रैल से शुरू हो चुका है। स्कूली शिक्षा विभाग द्वारा कक्षा 9वीं में ब्रिज कोर्स से पढ़ाई कराने के लिए विशेष पुस्तकें भी स्कूलों तक पहुंचा दी गई है। लेकिन अधिकांश स्कूलों में विद्यार्थी पहुंच ही नहीं रहे है दरअसल, कक्षा आठवीं की परीक्षा दे चुके परीक्षार्थियों को 9वीं की कक्षा में शामिल होना है। इस दौरान पुराने कोर्स को अपडेट करने के लिए ब्रिज कोर्स शुरू किया गया है। लेकिन आठवीं का परीक्षा परिणाम नहीं आने के चलते अधिकांश स्कूलों में गिनती के विद्यार्थी ही परीक्षा देने पहुंच रहे है।
स्कूलों में पहुंच चुका है पाठ्यक्रम
जानकारी के अनुसार ब्रिज कोर्स के लिए माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा अलग पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। जिसमें आठवीं पढ़े हुए कोर्स का समावेश होता है। ताकि जो विद्यार्थी आठवीं में कमजोर रहे है, उन्हें दोबारा 30 अप्रैल तक तैयारी करवाई जा

सके। अफसरों ने बताया कि पांच अप्रैल तक सभी स्कूलों में 9वीं कक्षा के लिए ब्रिज कोर्स का पाठ्यक्रम पहुंच चुका है। 30 अप्रैल तक इसी पाठ्यक्रम को बढ़ाया जा सकेगा। 15 जून के बाद नौवीं कक्षा का पाठ्यक्रम शुरू किया जाएगा।
परीक्षा परिणाम जारी नहीं हुआ
एक प्राचार्य ने बताया कि ब्रिज कोर्स का पाठ्यक्रम तो आ चुका है, लेकिन आठवीं की परीक्षा दे चुके विद्यार्थी नौवीं कक्षा में नहीं आ रहा है। जिसके चलते चंद विद्यार्थियों को ही पढ़ाया जा रहा है। बता दे कि अब तक आठवीं परीक्षा का परिणाम जारी नहीं हुआ है। जिसके चलते अधिकांश विद्यार्थी अगली कक्षा के लिए नहीं आ रहे है। जिला शिक्षा अधिकारी मंगलेश व्यास ने बताया कि सभी हाई स्कूल में कक्षा 9वीं में ब्रिज कोर्स से पढ़ाई करवाने के लिए कहा है।

एलिवेटेड ब्रिज के बाद बाणगंगा और सिंगापुर टाउनशिप ओवरब्रिज भी अनिर्णय के शिकार

सिटी चीफ इंदौर।
शहर के बाणगंगा क्रॉसिंग और सिंगापुर टाउनशिप के पास बनने वाले रेल ओवरब्रिजों की हालत एबी रोड पर बनने वाले एलिवेटेड ब्रिज जैसी हो गई है। जिस तरह तीन साल तक एलिवेटेड ब्रिज अधर में रहा, उसी तरह इन दोनों ब्रिजों के आकार-प्रकार और स्थान संबंधी निर्णय एक साल से नहीं हो पाया है। यह निर्णय शहर के जनप्रतिनिधियों और अफसरों को लेना है, लेकिन इन महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए उनके पास समय नहीं है। यह हालत तब है जब बाणगंगा क्रॉसिंग पर बनने वाले रेल ओवरब्रिज के टेंडर फाइनल हो गए हैं और ठेका कंपनी को दिया जा चुका है। क्रॉसिंग पर 26 करोड़ रुपए की लागत से एल शेप ब्रिज बनना था, लेकिन जनप्रतिनिधियों ने इसकी डिजाइन पर सवाल उठाते हुए काम शुरू नहीं होने दिया। यहां तक तो ठीक था, लेकिन इसका विकल्प क्या हो, इसे लेकर अब तक फैसला नहीं हो पाया है। कहा जा रहा है कि टू लेन बाणगंगा ब्रिज भविष्य के हिसाब से नहीं है और जहां ब्रिज बनेगा, वह जगह भी बहुत संकरी है। इसे आगे एमआर-10 की तरफ बनाने का विकल्प है, लेकिन अंतिम निर्णय नहीं होने से प्रोजेक्ट अधर में है। सिंगापुर टाउनशिप के पास बनने वाले रेल ओवरब्रिज की स्थिति थोड़ी अलग है। राज्य सरकार ने पिछले साल विधानसभा चुनाव से ठीक पहले इसे ताबड़तोड़ मंजूरी दी थी। जब सर्वे शुरू हुआ, तो पता चला कि ब्रिज निर्माण में कुछ रहवासी इमारतें और अन्य निर्माण हटाना होंगे। प्रभावित लोगों ने भी विरोध शुरू किया, तो बात आई-गई हो गई। अब तक इसे लेकर भी अंतिम फैसला नहीं हो पाया है। इधर, पीडब्ल्यूडी अफसर हाथ पर हाथ धरकर बैठे हैं कि जिला सरकार कोई निर्णय ले, तब काम में आगे बढ़ा जाए।

छत्रीपुरा थाने में छापा, डीसीपी ने पुलिसकर्मियों को वसूली करते रंगेहाथ पकड़ा, जांच बैठी

सिटी चीफ इंदौर।
अवैध वसूली की सूचना पर डीसीपी ने खुद थाने पहुंचकर दो पुलिसकर्मियों को रंगेहाथ पकड़ लिया। पुलिसकर्मी एक युवक को क्रिकेट के सट्टे में लिप्त होने की धमकी देकर रुपये मांग रहे थे। डीसीपी ने तत्काल लाइन हाजिर कर दोनों के विरुद्ध जांच बैठा दी है। एक बड़े अधिकारी की भूमिका संदिग्ध है, जिसके अधीन पुलिसकर्मी थे।
मामला छत्रीपुरा थाने का है। जोन-4 के डीसीपी ऋषिकेश मीना को सूचना मिली कि आरक्षक मनमोहन सिंह (2191) और नरेंद्र सिंह (1170) कमलेश नामक युवक को उठाकर ले गए हैं। दोनों पुलिसकर्मी छत्रीपुरा थाना की पहली मंजिल पर कमलेश से पूछताछ के नाम पर रुपयों की मांग कर रहे थे। जानकारी मिलने पर डीसीपी खुद थाने पहुंचे और दोनों को रंगेहाथ पकड़ लिया। मनमोहन सिंह सराफा थाना और नरेंद्र सिंह पंढरीनाथ सराफा

एसीपी का चालक निकला।
अलग-अलग जगह पदस्थ होने के बाद भी दोनों पुलिसकर्मी कमलेश से छत्रीपुरा थाना में पूछताछ कर रहे थे। सराफा थाना टीआइ दीपक यादव और छत्रीपुरा टीआइ अजय राजोरिया खुद पूछताछ से अनजान थे। डीसीपी ने दोनों को लाइन हाजिर कर जांच के आदेश दे दिए। एसीपी कार्यालय से जुड़े थे पुलिसकर्मी
अवैध वसूली की शिकायत नेताओं द्वारा पहुंची थी। डीसीपी ने दोनों टीआइ और एसीपी से भी इस संबंध में बात नहीं की। स्वयं थाने पहुंचे और पुलिसकर्मियों को बुला लिया। बताते हैं कि मनमोहन सिंह एसीपी कार्यालय में ही रहता था।
पुजारी से पुलिसकर्मी ने 44 हजार वसूले
अवैध वसूली का जोन-2 में भी मामला आया है। शांति अपार्टमेंट क्लर्क कालोनी निवासी पुजारी अशोक कुमार ने परदेशीपुरा के दो पुलिसकर्मियों के विरुद्ध शिकायत की है। आरोप है कि पुलिसवालों ने साजिश के तहत बुलाया और गाड़ी की डिक्की में गांजा का पार्सल रखकर वीडियो बना लिया। दिनभर थाने में रखा और 44 हजार रुपये लेकर छोड़ा। डीसीपी अभिषेक विश्वकर्मा ने परदेशीपुरा के एसीपी नरेंद्र रावत को जांच सौंपी है।

मध्य प्रदेश में जयस और आदिवासी एकता परिषद का समर्थन जुटाने के प्रयास में कांग्रेस

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में कांग्रेस को लोकसभा चुनाव में भी आदिवासी सीटों से अच्छे परिणाम मिलने की उम्मीद है। मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिए पार्टी जय युवा आदिवासी शक्ति संगठन (जयस) और आदिवासी एकता परिषद का समर्थन जुटाने के प्रयास में हैं। दोनों ही संगठनों का आदिवासी क्षेत्र, खासकर मालवांचल में अच्छा प्रभाव है। विधानसभा चुनाव में जयस ने कांग्रेस का समर्थन किया था, जिसके कारण उसे आदिवासी सीटों में सफलता मिली थी। यह काम वह लोकसभा चुनाव में भी करना चाहती है। इसके लिए विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और रतलाम से पार्टी प्रत्याशी कांतिलाल भूरिया प्रयासरत हैं। जयस और आदिवासी एकता परिषद का प्रभाव धार, खरगोन, खंडवा और बैतूल सीट पर अधिक है। दोनों संगठन लंबे समय से काम कर रहे हैं। आदिवासियों के हितों की

लड़ाई के लिए सामाजिक और वैचारिक संगठन के रूप में इनका गठन किया गया था। जयस से जुड़े कांग्रेस विधायक हिरालाल अलावा का कहना है कि हमारा संगठन सामाजिक है, लोकसभा चुनाव में हम कांग्रेस के साथ हैं। कारण, कांग्रेस के घोषणा पत्र में आदिवासियों के हित में कई वादे किए गए हैं। सबसे प्रमुख तो यह कि राहुल गांधी ने हाल ही में मंडला में संविधान की पांचवी और छठवीं अनुसूची लागू करने की बात कही है। पांचवी अनुसूची में मध्य प्रदेश भी शामिल है। इसके लागू होने पर पर प्रशासन के कई अधिकार कलेक्टर की जगह आदिवासियों की समितियों को मिल जाएंगे। रोजगार देने की बात भी उनके घोषणा पत्र में है। हालांकि, खुद को जयस का राष्ट्रीय अध्यक्ष बताने वाले लोकेश मुजाल्दा का कहना है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों उनके हितों पर ध्यान नहीं दे रही हैं, इस कारण वह ऐसे उम्मीदवार का समर्थन करेंगे जो आदिवासी हितों की बात करे। कांग्रेस जयस के दोनों गुटों को अपने पक्ष में करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। कांग्रेस ने आदिवासी एकता परिषद से जुड़े पोरलाल खरते को खरगोन से लड़ाया कांग्रेस ने आदिवासी मतदाताओं को साधने के लिए बड़ी चाल चली। पूर्व सेल्स टैक्स अधिकारी को यहां से मैदान में उतारा है। वह आदिवासी एकता परिषद के साथ मिलकर काम कर रहे थे। परिषद 1992 से यहां सामाजिक कार्य कर रही है, जिससे उसकी आदिवासियों के बीच अच्छी पैठ है। संगठन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल रावत ने कहा कि यह सामाजिक और वैचारिक संगठन पर है मुद्दों को लेकर अभी कांग्रेस के साथ है। संगठन मालवा-निमाड़ की सभी सीटों पर लंबे समय से काम कर रहा है।

कचरे के ढेर दिखने पर निगमायुक्त ने जताई नाराजगी अधिकारियों को सफाई कराने के दिए निर्देश

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में साफ-सफाई व्यवस्था सुधारने के लिए नगर निगम आयुक्त हरेंद्र नारायण द्वारा प्रतिदिन अलग-अलग क्षेत्रों का निरीक्षण किया जा रहा है। इसी सिलसिले में वह शनिवार को झदा कब्रिस्तान नाले के पास, जहांगीराबाद थाना एवं बाजार, बरखेड़ी, पुल बोगदा, अशोका गार्डन एवं परिहार चौराहा, जिंसी पहुंचे जहां कचरे का ढेर देखकर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से अधीनस्थ अधिकारियों को हकीकत बताई और कचरे के ढेरों को हटाकर सफाई कराने के निर्देश दिए हैं।सफाई व्यवस्था बेहतर करने की कवायद नगर निगम आयुक्त ने सेंट्रल वर्ज के किनारे की मिट्टी उठवाकर बेहतर साफ-सफाई करने के निर्देश दिए। निगमायुक्त ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रिक्त भूखंडों के मालिकों का पता लगाकर भूखंडों की साफ-सफाई कराने और जुर्माना की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने टीटी नगर क्षेत्र में विकसित किए गए स्मार्ट पार्क, लाड़ली लक्ष्मी वाटिका का

निरीक्षण किया और पौधों की निदाई, गुड़ाई तथा खरपतवार निरंतर निकालने के लिए कहा है। उन्होंने शहर की साफ-सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए जोनवार नियुक्त नोडल अधिकारी एवं वार्डवार नियुक्त सहायक अधिकारियों तथा सहायक स्वास्थ्य अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित निरीक्षण करने और गंदगी करने वालों पर नजर रखने के लिए कहा। साथ ही स्वास्थ्य अमले से समन्वय कर गंदगी वाले स्थानों को चिह्नित करने, जीवीपी पाइंट न बनने देने, रात्रिकालीन सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने, गीला-सूखा कचरा को अलग-अलग करने, डोर-टू-डोर कचरा वाहन को नियमित रूप से देने के निर्देश दिए हैं। ट्रक ड्राइवर पर लगाया एक हजार रुपए जुर्माना

निगम के जोन 15 के वार्ड 62 के कोकता ट्रांसपोर्ट नगर भोपाल-इंदौर हाईवे पर जा रहे ट्रक के ड्राइवर द्वारा कचरा सड़क किनारे फेंका जा रहा था। इस पर प्रभारी सहायक स्वास्थ्य अधिकारी मगन झा एवं उनकी टीम ने ट्रक ड्राइवर पर एक हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

नवविवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, मायका पक्ष ने जताई हत्या की आशंका

राजधानी के बैरसिया तहसील में स्थित शेरपुरा में रहने वाली 23 वर्षीय विवाहित युवती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। युवती के मायके पक्ष को लोगों ने बेटी की हत्या कर उसे फंदे पर लटकाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम के बाद विवाहिता का शव स्वजन के सुपुर्द कर दिया गया है। बैरसिया थाना पुलिस के मुताबिक भोपाल की रहने वाली अरशुमा की शादी फरवरी-2023 में शेरपुरा निवासी असद के साथ हुई थी। विगत शुक्रवार रात को अरशुमा ने ससुराल में फांसी लगा ली। स्वजन उसे फंदे से उतारकर बैरसिया के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे थे। वहां चेक करने के बाद डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया था। घटना का पता चलने पर अरशुमा के मायका पक्ष के

लोग बैरसिया पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग बेटी को प्रताड़ित कर रहे थे। उन्होंने हत्या करने के बाद शव को फांसी पर लटका कर मामले को खुदकुशी बताने की कोशिश की है। पुलिस का कहना है कि मामले की छानबीन कर रहे हैं। मृतका के मायका पक्ष के साथ-साथ ससुराल वालों के भी बयान लिए जाएंगे। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगा। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मिलने के बाद ही युवती की मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी।

हर्बल उत्पाद की दुकान पर बिक रही थीं प्राइवेट स्कूल की किताबें

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में एक हर्बल उत्पाद विक्रेता के यहां महर्षि स्कूल की कापी-किताबें एवं गणवेश मिली हैं। जानकारी के अनुसार 11 नंबर स्थित महानेचर हर्बल उत्पाद नाम की इस दुकान पर जिला प्रशासन एवं शिक्षा विभाग की टीम ने जांच के बाद कार्रवाई की है। इस संबंध में शिकायत और वीडियो मिलने के बाद एसडीएम ने शनिवार को डीईओ को जांच करने कहा, लेकिन जब इस दिशा में कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उन्होंने खुद टीम के साथ पहुंचकर जांच की और कार्रवाई करते हुए दुकान को सील कर दिया।

ऐसे हुई कार्रवाई

मामले में शिकायत के बाद गत शुक्रवार को जांच समिति के सदस्य विकासखंड शिक्षा अधिकारी फंदा

ब्लाक आरएन श्रीवास्तव, शासकीय उमावि बगरौदा के प्राचार्य विनोद कुमार राजौरिया पहुंचे। यहां दुकान पर महर्षि विद्या मंदिर की पुस्तकें बेचने के लिए रखी मिलीं। शनिवार को एसडीएम को कार्रवाई नहीं किए जाने की जानकारी मिली। जानकारी के अनुसार एसडीएम ने डीईओ से कार्रवाई नहीं करने के संबंध में जवाब मांगा। इसके बाद एसडीएम राय शनिवार शाम छह बजे डीईओ त्रिपाठी, श्रीवास्ती व राजौरिया के साथ 10 नंबर स्थित महानेचर दुकान पर पहुंचे। यहां शनिवार को भी महर्षि विद्या मंदिर की किताबें बेची जा रही थीं। इस पर एसडीएम ने कार्रवाई करते हुए दुकान को सील कर दिया है। महानेचर दुकान पर आयुर्वेदिक, हर्बल प्रोडक्ट का बोर्ड लगा हुआ है। 11 नंबर स्थित महानेचर दुकान पर जांच दल द्वारा निरीक्षण करने पर पाया गया कि महर्षि विद्या मंदिर का पाठ्यक्रम व गणवेश आदि बेचे जा रहे थे। स्कूल प्रबंधन द्वारा अभिभावकों को इसी दुकान से पाठ्य सामग्री लेने के लिए बाध्य किया जा रहा था। जांच रिपोर्ट के आधार पर दुकान को सीलकर एफआइआर दर्ज कराई जा रही है।

लोहा-सीमेंट कारोबारियों के यहां जीएसटी का छापा, बोगस फर्मों से लेन-देन का संदेह

सिटी चीफ भोपाल।
राज्य जीएसटी की टीम ने शनिवार को भोपाल में लोहा-सीमेंट के तीन कारोबारियों के यहां छापा डाला। इनमें बैरागढ़ में लक्ष्मी स्टील, लालघाटी स्थित इंडिया सेल्स और रत्नागिरी में जल भोले ट्रेडर्स शामिल हैं। शुरुआती जांच में बोगस फर्मों से लेन-देन और कच्चे बिलों पर ज्यादातर बिक्री का संदेह है। बताया जाता है कि जांच एक-दो दिन और जारी रहेगी। दरअसल, इन कारोबारियों से सामान लेने वाले ग्राहकों ने ही जीएसटी विभाग के अधिकारियों से शिकायत की

थी। इसके आधार पर स्टेट जीएसटी ने छापा मारा। छापे में लगी 25 अधिकारी-कर्मचारियों की टीम ने दस्तावेज और स्टाक खंगाले।

शाहपुरा की होटल में युवती की नृशंस हत्या

सिटी चीफ भोपाल।
शहर में शाहपुरा थाना इलाके के पाश इलाके में स्थित के-स्क्वायर नामक होटल के कमरे में शनिवार रात एक युवती की हत्या कर दी गई। बताया जाता है कि वह दोपहर के समय एक युवक के साथ होटल पहुंची थी। पुलिस ने मर्ग कायम कर छानबीन शुरू कर दी है। पंचनामा तैयार करने के बाद युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए हमीदिया अस्पताल भिजवाया गया है। इस मामले में पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया है। एसीपी हबीबगंज मयूर खंडेलवाल ने बताया कि घटना की सूचना करीब 11:30 बजे

पुलिस को मिली थी। एफएसएल टीम से जांच कराने के बाद होटल का कमरा फिलहाल सील कर दिया गया है। बताया जाता है कि युवती कमला नगर थाना क्षेत्र की रहने वाली थी। उसकी शिकायत पर एक युवक के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज किया गया था। जो न्यायालय में विचाराधीन है। आरोपित युवक ही युवती को शनिवार को अपने साथ होटल लेकर पहुंचा था।

भाजपा के संकल्प पत्र को लेकर बोले सीएम मोहन यादव, हम कोई संकल्प लेते हैं तो उसे लागू भी करते हैं

लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा ने आज अपना संकल्प पत्र जारी किया। वहीं इसको लेकर मुख्यमंत्री मोहन यादव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'आज डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर हम अपना संकल्प पत्र जारी किए हैं और देश के सामने अपनी बात रखी है जिसके लिए मैं बीजपी अध्यक्ष और प्रदेश अध्यक्ष को बधाई देना चाहूंगा। हम कोई संकल्प लेते हैं तो उसे लागू भी करते हैं।' पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी दी प्रतिक्रिया भारतीय जनता पार्टी के संकल्प पत्र को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान नेकहा कि डॉ बाबासाहेब अंबेडकर हमारे संविधान निर्माता की जन्मदिन पर जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति का यह संकल्प पत्र है। जिसको केवल कुछ लोगों ने बैठकर नहीं बनाया, प्रधानमंत्री के आह्वान पर 15 लाख से ज्यादा सुझाव आए हैं, व्यक्तियों ने संस्थाओं ने सुझाव दिए हैं। सही अर्थों में यह जनता का जनता के लिए और जनता के द्वारा बनाया गया संकल्प पत्र है। जिसमें 2047 का भारत कैसा होगा इसका रोडमैप बनाया गया है। विकसित भारत यह हमारा लक्ष्य और इसकी पूर्ति के लिए हर संभव उपाय समाज के हर वर्ग का कल्याण इस पर निहित है। पूर्व सीएम ने कहा कि एक तरफ इंफ्रा का विकास टूरिज्म को आगे बढ़ने से लेकर अनंत रोजगार की संभावना वाला संकल्प है। यह गरीबी से पूर्णतः मुक्ति का संकल्प पत्र है यह नारी सशक्तिकरण का संकल्प पत्र है। तीन करोड़ लखपति दीदी बनेंगे यह किसानों की आय बढ़ाने का संकल्प पत्र है। इसमें जनता की आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए उनकी पूर्ति के लिए ठोस रोड मैप है और मैं समझता हूं कि सारा देश इसका स्वागत करेगा। जीतू पटवारी ने कसा तंज भाजपा के संकल्प पत्र पर मप्र कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा कि भाजपा ने संविधान को कमजोर किया है। उनके सांसद ने कहा कि 400 सीटें चाहिए, संविधान बदलना है, उन्होंने भारत को किसानों की हत्या में प्रथम देश बनाया। पीएम मोदी ये बताने में असमर्थ हैं कि हमारा देश दुनिया में सबसे ज्यादा कर्जदार हो गया है। जो बोलते हैं वो करते ही नहीं, ये मोदी की गारंटी है। जो बोला झूठ बोला। झूठ की गारंटी, मोदी की गारंटी।

मध्य प्रदेश में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और राहुल गांधी दोनों लगा रहे गोंडवाना पर जोर

सिटी चीफ भोपाल।
मध्य प्रदेश में ओला-बारिश और आंधी ने भले ही मौसम में ठंडक घोल दी है लेकिन राजनीति का पारा गरम हो गया है। लोकसभा चुनाव के पहले चरण में मध्य प्रदेश की छह सीटों पर 19 अप्रैल को मतदान होना है। इनमें प्रचार के लिए अब केवल चार दिन शेष रह गए हैं। शहरी सीट जबलपुर को छोड़कर मंडला, शहडोल, बालाघाट, सीधी और छिंदवाड़ा ग्रामीण अंचल वाली सीटें हैं। इन्हें गोंडवाना क्षेत्र के नाम से भी पहचाना जाता है और इन पर आदिवासी वर्ग ही निर्णायक है। यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कांग्रेस नेता राहुल गांधी दोनों ने ही आदिवासी मतदाताओं को लुभाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। पीएम मोदी ने जबलपुर में रोड शो और बालाघाट में रैली की तो राहुल गांधी ने मंडला लोकसभा क्षेत्र के धनौरा और शहडोल में आदिवासियों को संबोधित किया।

इधर, कांग्रेस के दिग्गज नेता कमल नाथ के गढ़ छिंदवाड़ा को भेदने के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे तो अमित शाह ने मंडला में केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते को चुनाव जितवाने के लिए जनसभा की और मोदी के नाम पर वोट देने की अपील की। दोनों ही दल आदिवासियों का समर्थन पाने के लिए पूरा जोर लगा रहे हैं। इसकी बड़ी वजह चार महीने पहले हुए विधानसभा चुनाव हैं, जिसमें गोंडवाना क्षेत्र में भाजपा का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा था। मंडला की निवास सीट पर केंद्रीय मंत्री फग्गन सिंह कुलस्ते भी हार गए थे। मंडला संसदीय सीट में आने वाली आठ विधानसभा सीटों में से आदिवासी वर्ग के लिए सुरक्षित चार सीटें डिंडौरी, बिछिया, निवास और लखनादौन में कांग्रेस विजयी रही थी। एक अन्य सामान्य सीट केवलारी में भी कांग्रेस आगे रही। जबकि, भाजपा केवल तीन सीटों मंडला, शहपुरा और गोटेगांव में ही जीत पाई। सीधी-शहडोल में भाजपा ने पाई थी बढ़त सीधी में आठ में से दो विधानसभा सीटें धौहनी और ब्यौहारी एसटी सुरक्षित सीट हैं। एसटी सुरक्षित शहडोल लोकसभा क्षेत्र में आठ में से सात आदिवासी सुरक्षित सीटें हैं। जबलपुर में सिहोरा विधानसभा सीट एसटी के लिए सुरक्षित है। बालाघाट में दो और छिंदवाड़ा में सात में से तीन आदिवासी सुरक्षित सीटें हैं। सीधी और शहडोल दोनों में भाजपा के पास सात विधानसभा सीटें हैं। एक सीट पर कांग्रेस का विधायक है। इस लिहाज से दोनों लोकसभा सीटों पर फिलहाल भाजपा मजबूत है। बालाघाट के आठ विधानसभा क्षेत्रों में से भाजपा और कांग्रेस के पास चार-चार सीटें हैं लेकिन यहां धान का समर्थन मूल्य 3100 रुपये क्विंटल नहीं किए जाने के कारण लोगों में नाराजगी है। पूर्व मंत्री गौरीशंकर बिसेन भी अपेक्षित जोश के साथ प्रचार में नहीं जुटे हैं। छिंदवाड़ा में भाजपा ने लगाया जोर छिंदवाड़ा में तो सभी सातों विधानसभा सीटें कांग्रेस के पास हैं। चुनाव से कुछ दिन पहले एक आदिवासी विधायक कमलेश शाह इस्तीफा देकर भाजपा में शामिल हो गए। यहां के परिणाम कमल नाथ के राजनीतिक भविष्य का निर्णय करेंगे। छिंदवाड़ा से भले ही उनके पुत्र नकुल नाथ चुनाव लड़ रहे हैं पर प्रतिष्ठा कमल नाथ ही दांव पर लगी है। यहां भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने प्रत्याशियों के समर्थन में कई रैलियां, रोड शो करके सियासी पारा गरमा दिया है। भाजपा ने कांग्रेस के इस किले को ध्वस्त करने के लिए तगड़ी घेराबंदी की है। मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव पांच बार दौरा कर चुके हैं तो कमल नाथ के कई भरोसेमंद नेताओं ने उनका साथ छोड़ भाजपा का दामन थाम लिया है।

साम्पदकीय

खटाखट कैसे मिटेगी गरीबी

यह देश के महज 25-30 धन्नासेठों की इतनी राशि है, जितनी 24 साल तक मनरेगा के जरिए मजदूरों को दी सकती थी। राहुल यह चुनाव देश के गरीबों और 22-25 अरबपतियों के बीच की लड़ाई मानते हैं। यह वामपंथी सोच का विश्लेषण है। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'गरीबी मिटाओ' का एक फॉर्मूला दिया है। उनके मुताबिक, यदि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनी, तो प्रत्येक गरीब परिवार की एक महिला के बैंक खाते में एक लाख रुपए सालाना जमा कराए जाएंगे। वह गरीब परिवार किसान, मजदूर या किसी का भी हो सकता है, उस परिवार की महिला को 8500 रुपए प्रति माह दिए जाएंगे। यह आर्थिक मदद तब तक जारी रहेगी, जब तक वह परिवार गरीबी-रेखा से बाहर नहीं आ जाता। क्या कांग्रेस ने ऐसी योजना के अर्थशास्त्र का अध्ययन किया है? सबसे अहम सवाल तो गरीबों की संख्या का है। दरअसल ऐसे गरीबों की देश में कितनी संख्या है, यह न तो कांग्रेस को पता है और न ही सरकार यह डाटा साझा करना चाहती है। गरीबी-रेखा की परिभाषा तक निश्चित नहीं है। देश में गरीबी की स्थिति क्या है, उसे लेकर भी विरोधाभास हैं। राहुल गांधी ने एक बार फिर आर्थिक असमानता के यथार्थ को दोहराया है। देश के 22 सबसे अमीर भारतीयों के पास इतना धन है, जितना 70 करोड़ लोगों के पास है। राहुल गांधी के अनुसार, मोदी सरकार ने अरबपतियों के 16 लाख करोड़ रुपए माफ किए हैं। यह देश के महज 25-30 धन्नासेठों की इतनी राशि है, जितनी 24 साल तक मनरेगा के जरिए मजदूरों को दी सकती थी। राहुल यह चुनाव देश के गरीबों और 22-25 अरबपतियों के बीच की लड़ाई मानते हैं। यह वामपंथी सोच का विश्लेषण है। यदि अरबपतियों के पास बेइंतहा आर्थिक संसाधन हैं, तो उनकी कंपनियां लाखों लोगों को रोजगार भी देती हैं और करोड़ों रुपए के कर भी अदा करती हैं। बहरहाल राहुल गांधी का दावा है कि कांग्रेस देश से खटाखट गरीबी को मिटा देना चाहती है। हमारी जो गारंटी है, उसके जरिए हम एक ही झटके में गरीबी समाप्त कर देना चाहते हैं। राहुल गांधी की दादी एवं तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने भी 1971 में गरीबी हटाओ का नारा दिया था और प्रचंड बहुमत के साथ चुनाव जीता था। उसके बाद की कांग्रेस सरकारों में भी गरीबी एक बुनियादी एजेंडा रहा, लेकिन एक समय आया था, जब योजना आयोग (अब नीति आयोग) भी मानता था कि करीब 30 करोड़ भारतीय गरीबी-रेखा के नीचे जीने को अभिशप्त हैं। समितियां बनाई गईं, फॉर्मूले तय किए गए, लेकिन सही डाटा देश के सामने पेश नहीं किया जा सका। चूंकि अब प्रधानमंत्री मोदी सार्वजनिक मंचों पर बार-बार दोहरा रहे हैं कि उनकी सरकार ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। यानी प्रधानमंत्री भी स्वीकार करते हैं कि देश में 25 करोड़ गरीब रहे हैं, जिन्हें उस रेखा से उबारा गया है। प्रधानमंत्री मोदी का यह बयान ही देश के सामने है, अलबत्ता कोई बिंदुवार और क्षेत्रवार आंकड़े देश के सामने नहीं रखे गए हैं। इसी दौर में आरएसएस के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबले ने एक आर्थिक आकलन सार्वजनिक किया था। उसके मुताबिक, देश में 23 करोड़ से अधिक भारतीय ऐसे हैं, जो 375 रुपए रोजाना की कमाई करने में भी असमर्थ हैं। वे भी गरीबी-रेखा के नीचे की आबादी हैं। सवाल है कि देश में कितने लोग गरीब हैं, जिन्हें आर्थिक मदद देकर उबारने की जरूरत है? प्रधानमंत्री मोदी देश में 81 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त अनाज बांट रहे हैं। जिन्हें हर माह 5 किलो अनाज की दरकार है और अभी यह योजना 5 और साल चलेगी, तो ऐसे लोग गरीब नहीं हैं, तो उन्हें किस वर्ग में रखा जाएगा? मुफ्तखोरी की कई योजनाएं हैं और नकदी भी बांटी जा रही है। ऐसा लगता है मानो 90 फीसदी भारत गरीब है। सिर्फ धन्नासेठ और उनके सम्पन्न सलाहकार ही अमीर हैं। मोदी को ही सरकार के संबद्ध विभाग को आदेश देने चाहिए कि वह गरीबी की परिभाषा स्पष्ट करे, यह अहम मानवीय सरोकार है।

विपक्षी गठबंधन और कांग्रेस की प्रासंगिकता

वायनाड ने सब गड़बड़ कर दिया। कम्युनिस्टों ने राहुल गांधी से पूछा कि आप तो पिछले दस साल से चिल्ला रहे हो कि आप की लड़ाई भाजपा वालों से है, लेकिन आप केरल में तो हमसे ही लड़ रहे हो। हम दिल्ली में आप के साथ एक मंच पर बैठ कर लम्बे-लम्बे भाषण देते हैं। मिल कर भाजपा के साथ लड़ने की हुंकार लगाते हैं, लेकिन उस सबके बावजूद आप केरल में हमसे ही लड़ रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी को हराने के लिए विपक्षी पार्टियों में जो सर्वाधिक व्याकुल प्राणी थे, उनमें से चार शिखर पर थे। नीतीश कुमार, ममता बनर्जी, सोनिया गांधी और कम्युनिस्ट। प्रश्न पूछा जा सकता है कि मैंने अन्य दलों का नाम न लिख कर, उन दलों के प्रमुख व्यक्ति का नाम लिखा है, लेकिन कम्युनिस्टों के मामले में व्यक्ति का नाम न लिख कर केवल कम्युनिस्ट शब्द का प्रयोग क्यों किया है। उसका कारण है। हमारे भारत में कम्युनिस्ट सदा किसी शरीर की तलाश में रहते हैं। जब कम्युनिस्ट अपने शरीर में प्रकट होते हैं तो भारत के लोग उन्हें तुरंत पहचान लेते हैं और नकार देते हैं। इसलिए वे निरंतर किसी दूसरे शरीर, जिंदा या मुर्दा, की तलाश में रहते हैं और अपनी सुविधानुसार उसे पा भी लेते हैं। उनकी ऐसी पृष्ठभूमि में उनके किसी शीर्ष पुरुष का नाम पहचान पाना या तलाश करना बहुत मुश्किल है। उनके शीर्ष पुरुष आपस में इतने मिलजुले हैं कि किसी को पहचान पाना ही मुश्किल है। इसलिए, मैंने किसी व्यक्ति विशेष का नाम न लिख कर नंगा चिट्ठा कम्युनिस्ट शब्द का प्रयोग ही किया है। अब आगे बढ़ा जाए। लेकिन हमारे आगे बढ़ने से पहले ही नीतीश कुमार इंडी मोहल्ला छोड़ कर वापस अपने घर लौट गए हैं। ममता बनर्जी हैं अभी भी इंडी मोहल्ला में ही, लेकिन उस मोहल्ला के बाकी लोगों से उन्होंने बोलचाल बंद कर दी है। उनकी पार्टी ने पश्चिम बंगाल की सभी सीटों पर अपने प्रत्याशी खड़े कर दिए हैं। लेकिन वैसे वे बराबर कह रही हैं कि वे इंडी के साथ मजबूती से खड़ी हैं और बंगाल को छोड़ कर बाकी सभी जगह उसका समर्थन कर रही हैं। लेकिन सोनिया गांधी इतना तो जानती हैं कि उनकी पार्टी को यदि ममता बनर्जी की जरूरत थी तो केवल बंगाल में थी। शेष भारत में, सोनिया गांधी तो क्या, ममता बनर्जी खुद भी जानती हैं कि उनकी हैसियत ही नहीं है। एक दूसरी पार्टी है जो इंडी गठबंधन में सर्वत्र विद्यमान है, लेकिन दिखाई नहीं देती। यह पार्टी अब भारत में अशरीरी रह रही है। उसका नाम मुस्लिम लीग है। यह कांग्रेस के पैदा होने के कुछ साल बाद 1905 में पैदा हुई थी। कहा जाता है कि अंग्रेजों ने इस पार्टी को पैदा करने के लिए ही बंगाल का विभाजन किया था। मुस्लिम लीग को पैदा करने के बाद बंगाल विभाजन की भी खत्म कर दिया गया। 1916 में कांग्रेस और मुस्लिम लीग ने अंग्रेजों से भारत के मुसलमानों के लिए अलग निर्वाचन मंडल की मांग की थी। बाद में संबंध बनते बिगड़ते गए, लेकिन कांग्रेस ने 1947 में अपनी कार्यसमिति की अंतिम बैठक में मुस्लिम लीग की भारत विभाजन की मांग का समर्थन करने के लिए भारत विभाजन का प्रस्ताव पारित किया था। भारत विभाजन के बाद जब बचे-खुचे भारत में मुस्लिम लीग के लिए रहना मुश्किल हो गया, तो उसने अपनी शक्ल में प्लास्टिक सर्जरी करवा कर रूप बदल लिया था। उससे चेहरा तो बदल गया था, लेकिन भारत के लोग उनकी आवाज अच्छी तरह पहचानते ही हैं। इसलिए वे बराबर चिल्ला रहे हैं। यह बदल रहे चेहरे से घूम रही वही मुस्लिम लीग है जिसने भारत का विभाजन करवाया था। लेकिन सोनिया जी का कहना है कि यह पुराने वाली मुस्लिम लीग नहीं है। यह नई ताजा मुस्लिम लीग है जिसका पुरानी मुस्लिम लीग से कोई ताल्लुक नहीं है। पता चला है कि कुछ पुराने कांग्रेसियों ने कान में बताया भी कि मैडम, आपको पुरानी वाली का पता नहीं है, क्योंकि आपकी पृष्ठभूमि इटली की है। यह मुस्लिम लीग शत प्रतिशत पुराने वाली मुस्लिम लीग ही है। लेकिन सोनिया गांधी नहीं मानी। वह उसी को सच मानती हैं जो राहुल-प्रियंका-राबर्ट वाड्रा बताते हैं। अब यह नई वाली मुस्लिम इंडी का हिस्सा है। उसका परिणाम भी सामने आने लगा है। सोनिया जी की पार्टी ने अपना जो चुनाव घोषणा पत्र जारी किया है, यदि उसको ध्यान से पढ़ा जाए, जिससे अंग्रेजी वाले टू रीड बिटवीन दी लाईन्स कहते हैं, तो वह काफी हद तक 1947 से पहले का मुस्लिम लीग के चुनाव घोषणा पत्र का नया संस्करण लग रहा है। अब तवलीन सिंह का कहना है कि आधा हिस्सा कम्युनिस्ट पार्टी का ही है। सोनिया गांधी जी की एक दूसरी समस्या भी है। वह मुस्लिम लीग का समर्थन तो लेना चाहती हैं, लेकिन यह नहीं चाहती कि लोग इसको जान लें। वैसे पूछा जा सकता है कि गुड़ तो खाएं, लेकिन गुलगुलों से परहेज की इस नीति का कारण क्या है। जब अपने चुनाव घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग का घोषणा पत्र समेट लिया, अयोध्या में राम मंदिर में आने के निमंत्रण को सार्वजनिक रूप से ठुकरा दिया और मुस्लिम लीग को मंच पर भी बिठा लिया तो अब बचा क्या है? फिर यह हिचकिचाहट कैसी? यह संकट केरल के वायनाड में आया। राहुल गांधी अब उत्तर प्रदेश को छोड़ कर केरल चले गए हैं। केरल में भी मुस्लिम बहुल क्षेत्र वायनाड को उन्होंने अपने लिए चुना है। सारे देश में उन्हें लोकसभा में जाने के लिए अपनी पार्टी की विचारधारा और उसके अनुरूप मित्रों के कारण वायनाड ही सुरक्षित लगता है। यह पांच साल पहले ही स्पष्ट हो गया था जब राहुल गांधी को उत्तर प्रदेश की जनता ने अमेठी में ठुकरा दिया था और वायनाड ने उन्हें संकट के उस काल में सुरक्षा चक्र प्रदान किया था। तब बहुत से राजनीतिक विश्लेषक मानने लगे थे कि राहुल गांधी अब पांच साल मेहनत करके उत्तर प्रदेश के लोगों का विश्वास जीतेंगे।

लेकिन शायद सोनिया परिवार ने यह लंबा रास्ता अख्तियार करने की बजाय वायनाड का सुरक्षा चक्र लेना ही उचित समझा। लेकिन इस बार एक झंझट हो गया। राहुल गांधी दिल्ली से वायनाड तक की लंबी दूरी तय करके लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन पत्र दाखिल करने वायनाड पहुंचे, तो स्वाभाविक ही मन में आया होगा कि शक्ति प्रदर्शन के लिए रोड शो भी कर लिया जाए। कांग्रेस पार्टी के झंडे बड़ी संख्या में तैयार कर लिए गए। स्वाभाविक है जो मुस्लिम लीग उनको सुरक्षा चक्र प्रदान करती है, उन्होंने शर्त लगा दी कि रोड शो में उनके झंडे भी बराबर लगेंगे। यह राहुल गांधी को स्वीकार नहीं था।

यदि रोड शो हुआ तो मुस्लिम लीग के झंडों के साथ ही। तब कांग्रेस ने इटली के मैकियावली को याद किया होगा। मध्य मार्ग। झंडा न कांग्रेस का लगेगा और न ही मुस्लिम लीग का। देश में शायद कांग्रेस का पहला रोड शो था जिसमें कांग्रेस के झंडों को ही मुस्लिम लीग को प्रसन्न करने के लिए, कांग्रेस के लिए ही हानिकारक मान लिया गया। लेकिन कांग्रेस की समस्याओं का हल केवल मुस्लिम लीग को प्रसन्न करने से ही तो होने वाला नहीं लगता। मुस्लिम लीग खुश हुई, तो कम्युनिस्ट बोले। जैसा कि पहले ही मैंने लिखा है कम्युनिस्ट दो रूपों में हैं। पहला रूप वह जो कांग्रेस के शरीर के बीच ही घुस कर बैठा है। दूसरा रूप वह है जो शरीर से बाहर विद्यमान है। कई बार बाहर वाला शरीर प्रश्न करता है और अंदर वाला जवाब देता है। यह जवाब वही होता है जो बाहर वाले कम्युनिस्ट की हित साधना करता है। लेकिन वायनाड ने सब गड़बड़ कर दिया। कम्युनिस्टों ने राहुल गांधी से पूछा कि आप तो पिछले दस साल से चिल्ला रहे हो कि आप की लड़ाई भाजपा वालों से है, लेकिन आप केरल में तो हम से ही लड़ रहे हो। हम दिल्ली में आप के साथ एक मंच पर बैठ कर लम्बे लम्बे भाषण देते हैं। मिल कर भाजपा के साथ लड़ने की हुंकार लगाते हैं, लेकिन उस सबके बावजूद आप केरल में हमसे ही लड़ रहे हैं। सोनिया गांधी जी इसका क्या उत्तर दें? बहरहाल, कांग्रेस को पुनः अपना धरातल तलाशना चाहिए, अपनी उपयोगिता स्थापित करनी चाहिए। तभी उसका कल्याण होगा।

संस्कृति के पन्नों से कैसे मिला 'पृथ्वी' को अपना नाम

ध्रुव के वंशज राजा अंग का पूरी धरती पर शासन था। वह बहुत धार्मिक और वेदों के ज्ञाता थे। परंतु उनका पुत्र वेन अत्यंत उद्दंड था। उसका धर्म, नैतिकता और वैदिक संस्कारों पर तनिक भी विश्वास नहीं था। वह बड़ा हुआ, तो अत्याचारी हो गया। ऋषि-मुनियों ने उसे बहुत समझाया, लेकिन वेन के व्यवहार में सुधार नहीं हुआ, बल्कि उसकी उद्दंडता बढ़ती गई। आखिरकार, ऋषियों ने निर्णय लिया कि वेन का जीवित रहना समाज के लिए घातक होगा, इसलिए उन्होंने तपोबल से वेन को मार डाला।

वेन की मृत्यु से धरती अनाचार से मुक्त तो हो गई, किंतु उसका कोई शासक नहीं रहा। वेन निस्संतान था, इसलिए ऋषियों ने वेन के शव को मथकर संतान उत्पन्न करने का निश्चय किया। ऋषियों ने वेन की दाहिनी जांघ को मथा, तो एक अत्यंत कुरूप प्राणी प्रकट हुआ। उससे निषाद वंश की उत्पत्ति हुई। फिर ऋषियों ने वेन की दाहिनी भुजा को मथा, तो एक तेजस्वी बालक उत्पन्न हुआ। उसका नाम पृथु रखा गया। पृथु बड़ा हुआ, तो अत्यंत बलशाली और ओजवान बन गया। उसने अश्वमेध यज्ञ भी पूर्ण कर लिया। परंतु उसका राज्याभिषेक नहीं हो पाया था। एक दिन पृथु को पता लगा कि पृथ्वी ने भोजन देना बंद कर दिया, जिससे समस्त प्राणी-जगत पर संकट के बादल मंडराने लगे। ऋषियों ने पृथु को बताया कि प्रकृति का यही नियम है कि राजा न हो, तो भूमि में कुछ नहीं उगता। इसीलिए संसार की यह दशा हो रही है। भूलोक ने सबकुछ भीतर छिपा रखा है। यह सुनकर पृथु ने अपना अस्त्र-शस्त्र उठाया और भूलोक को खोदकर उसके भीतर से भोजन निकालने को तत्पर हो गया। भूलोक ने पृथु का क्रोध देखा, तो भयभीत होकर गाय का रूप धारण करके भागना शुरू कर दिया। परंतु पृथु ने गाय रूपी भूलोक का पीछा नहीं छोड़ा। वह निरंतर गाय को मारने की धमकी देता रहा। आखिर में गाय ने पृथु से कहा, 'मैं तुम्हारी मां के समान हूं। मुझे मार दोगे, तो मानव जाति का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा। इसलिए सबकी रक्षा करना तुम्हारा कर्तव्य है।' पृथु ने कहा, 'आपका कर्तव्य संसार का पोषण करना है। आपकी तरह सब कर्तव्य त्याग देंगे तो ब्रह्मांड का क्या होगा? यदि आप संसार की रक्षा नहीं करेंगी, तो मैं भी आपकी रक्षा नहीं करूंगा।' इस पर गाय बोली, 'प्रकृति का नियम है कि राजा न हो, तो मैं भोजन नहीं दे सकती। वेन की मृत्यु के बाद कोई राजा नहीं बना, इसलिए, मैंने भोजन देना छोड़ दिया। यदि आप राजा बन जाएंगे, तो मैं फिर से भोजन देने लगूंगी।' यह सुनकर पृथु ने कहा, 'भोजन के लिए प्रजा का राजा पर निर्भर होना सही बात नहीं है। इसलिए इसका विकल्प खोजना होगा।' पृथु ने इस समस्या पर गहन सोच-विचार किया और वह इस निष्कर्ष पर पहुंचा कि ऐसी परिस्थिति भविष्य में दोबारा भी उत्पन्न हो सकती है, इसलिए, लोगों को आत्मनिर्भर बनाना होगा। अभी तक धरती स्वतः भोजन देती थी, परंतु पृथु को महसूस हुआ कि मनुष्य को धरती के गर्भ से स्वयं भोजन प्राप्त करना सीखना होगा। इसका लाभ यह था कि भूलोक द्वारा प्रदान किए जाने वाले अन्नादि के अतिरिक्त मनुष्य अपने पुरुषार्थ से भी पृथ्वी से भोजन पैदा कर सकेगा, ताकि भोजन का कभी अभाव न हो। इस विचार से पृथु को बड़ा संतोष हुआ और उसने तुरंत इस दिशा में कार्य आरंभ कर दिया। कहते हैं, पृथु ने अपने धनुष की नोंक से समस्त धरती को समतल कर दिया और भूमि के समतल होने से सर्वत्र मैदान तैयार होने लगे। इसके बाद पृथु ने खेत-खलिहान बना दिए और यहां से कृषि का आरंभ हुआ। मनुष्य जाति, जो अब तक पशु-पालन और आखेट से काम चलाती थी, अब कृषक की भूमिका में आ गई थी। कृषि का आरंभ हुआ, तो सर्वत्र अन्न और धान की फसलें लहलहाने लगीं। इस तरह, महाराज पृथु ने अपने श्रम और संकल्प से धरती का स्वरूप बदल दिया। पृथु के इसी योगदान के चलते उनके नाम पर धरती को नाम मिला-पृथ्वी।

डॉ. भीमराव आंबेडकर जयंती आज

संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती 14 अप्रैल को मनाई जाती है। उन्हें संविधान निर्माता इसलिए कहा जाता है, क्योंकि भारतीय संविधान के निर्माण में उनका अमूल्य योगदान रहा। साथ ही दलित समाज के लिए भी बी आर आंबेडकर ने महत्वपूर्ण कदम उठाए। आंबेडकर का जन्म मध्य प्रदेश के महू में एक छोटे से गांव में 14 अप्रैल 1891 को हुआ था। आर्थिक और सामाजिक भेदभाव का सामना करने वाला बाबा साहेब ने इन परिस्थितियों के सामने हार नहीं मानी और उच्चतम शिक्षा हासिल करने का प्रयास जारी रखा। स्कूल-कॉलेज से लेकर नौकरी तक में उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ा। उनके संघर्षपूर्ण जीवन और सफलता की कहानी हर किसी के लिए प्रेरणा है। बाबा साहेब भीम राव आंबेडकर ने कई बार मंच से ऐसे भाषण, या विचार व्यक्त किए जिससे प्रेरित होकर युवा जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार हो सकते हैं।

भस्मारती में अर्धनारीश्वर स्वरूप में सजे बाबा महाकाल

भांग से श्रृंगार, मुंड माला पहनकर दिए दर्शन

विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में आज चैत्र शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर रविवार तड़के भस्म आरती के दौरान चार बजे मंदिर के पट खुलते ही पंडे पुजारियों ने गर्भगृह में स्थापित भगवान की प्रतिमाओं का पूजन किया। भगवान महाकाल का जलाभिषेक दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से कर पूजन अर्चन किया गया। प्रथम घंटाल बजाकर हरि ओम का जल अर्पित किया गया। कपूर आरती के बाद बाबा महाकाल को चांदी का मुकुट और रुद्राक्ष व पुष्पों की माला धारण करवाई गई। आज के श्रृंगार की विशेष बात यह रही कि भस्मआरती में बाबा महाकाल का अर्धनारीश्वर स्वरूप में भांग और

मुंड माला के साथ श्रृंगार किया गया। श्रृंगार के बाद बाबा महाकाल के ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई और भोग लगाया गया। महानिर्वाणी अखाड़े की ओर से भगवान महाकाल को भस्म अर्पित की गई। इस दौरान हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा महाकाल के दिव्य दर्शनों का लाभ लिया। जिससे पूरा मंदिर परिसर जय श्री महाकाल की गूंज से गुंजायमान हो गया।

एक ओर भगवान शिव, दूसरी और माताजी- श्रृंगार में एक ओर भगवान शिव तो दूसरी ओर माता जी के स्वरूप में श्रृंगार किया गया था। एक ओर भगवान के शीश पर नाग विराजित किया गया तो वही त्रिपुंड के साथ ही मस्तक पर चंद्र भी विराजमान किया गया। दूसरी ओर माता के स्वरूप में बिंदिया और नाक में नथनी पहनाकर दिव्य और अलौकिक श्रृंगार किया गया था। भगवान के इस स्वरूप को देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो गए।

नवरात्रि के छठवें दिन कात्यायनी देवी की पूजा, जानें पूजा विधि, शुभ मुहूर्त, भोग, आरती और मंत्र

नवरात्रि के छठे दिन कात्यायनी देवी की पूजा की जाती है। चैत्र नवरात्रि का छठवां दिन 14 अप्रैल के दिन पड़ रहा है। कात्यायनी देवी को निर्भीकता और साहस की देवी माना जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कात्यायनी देवी का नाम कात्यायन ऋषि की पुत्री होने के कारण कात्यायनी पड़ा। कात्यायनी देवी को दुर्गा माता का छठवां अवतार माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि अगर नवरात्रि पर देवी कात्यायनी की पूजा विधि-विधान के साथ की जाती है, तो उस भक्त को माता साहस और आंतरिक शक्ति प्रदान करती है। आइए, जानते हैं नवरात्रि के छठवें दिन कात्यायनी देवी पूजन विधि, भोग, आरती और शुभ मुहूर्त। कात्यायनी की पूजा के लिए मुहूर्त और शुभ समय नवरात्रि का छठा दिन कात्यायनी देवी के पूजन का होता है। 14 अप्रैल को नवरात्रि का छठा दिन है। चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि 13 अप्रैल को दोपहर 12 बजकर 04 मिनट पर शुरू हो रही है। वहीं, इसका समापन 14 अप्रैल को सुबह 11 बजकर 43 मिनट पर होगा। आप सुबह 9 बजे तक कात्यायनी देवी की पूजा कर सकते हैं। यह पूजन का शुभ मुहूर्त है।

कात्यायनी देवी की पूजा विधि

कात्यायनी के पूजन के लिए सुबह जल्दी उठकर स्नान कर लें। इसके बाद कात्यायनी की चौकी लगाएं। कात्यायनी देवी को पीला रंग बहुत पसंद है, इसलिए नवरात्रि के 6वें दिन पीले रंग के वस्त्र को जरूर धारण करें और माता की चौकी लगाते हुए पीले रंग का कपड़ा और फूलों का प्रयोग करें। कात्यायनी देवी को पीले पुष्प, हल्दी का तिलक और भोग चढ़ाएं। कात्यायनी देवी की आरती और मंत्रों का जाप करें।

राम चरण ने खुद बताया कब रिलीज होगी गेम चेंजर, तीन साल से इंतजार कर रहे हैं दर्शक

हाल ही में, सुपरस्टार राम चरण को वेल्स यूनिवर्सिटी से डॉक्टरेट की मानद उपाधि मिली है। इसे पाकर राम चरण काफी खुश हैं। उनके साथ-साथ चंद्रयान परियोजना के समन्वयक डॉ. पी. वीरमुथुवेल जैसे कई बड़े लोगों को भी इस उपाधि से सम्मानित किया गया है। राम चरण अपनी आने वाली फिल्म गेम चेंजर को लेकर भी चर्चा में बने हुए हैं। डॉक्टरेट उपाधि मिलने के मौके पर राम चरण ने इस फिल्म के बारे में भी अहम बातें साझा की थी। राम चरण ने गेम चेंजर की रिलीज की तारीख को लेकर बड़ी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि फिल्म सितंबर या अक्टूबर के महीने में रिलीज होगी। इसे पांच भाषाओं- तेलुगु, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज किया जाएगा। प्रशंसक सिनेमाघरों में फिल्म का आनंद ले पाएंगे।फिल्म गेम चेंजर काफी यादा खास होने वाली है। इसमें दर्शकों को राम चरण दो किरदार निभाते हुए नजर आएंगे। उनके प्रशंसक तो इस बात को लेकर बड़े उत्साहित नजर आ रहे हैं। फिल्म का निर्देशन एस शंकर ने किया है। यह एक पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म है। गेम चेंजर में राम चरण, कियारा आडवाणी, श्रीकांत, एसजे सूर्या, सुनील, नासर, जयराम, अंजलि और समुथिरकानी अभिनय करते नजर आएंगे।कुछ दिन पहले ही राम चरण के जन्मदिन के मौके पर फिल्म गेम चेंजर का पहला गाना जरागांडी रिलीज हुआ था। इस गाने को लोगों ने खूब पसंद किया है। फिल्म की शूटिंग तीन साल से चल रही है। इतना लंबा समय बीतने की वजह से दर्शकों के बीच थोड़ी मायूसी भी है। राम चरण की झोली में गेम चेंजर के अलावा दो और फिल्में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक फिल्म में वे जान्हवी कपूर के साथ काम करते नजर आएंगे। वहीं, दूसरी फिल्म में राम चरण के साथ सुकुमार देखने का मिलेंगे। यह रंगस्थलम के बाद दोनों की दूसरी फिल्म होगी।

मेट गाला में शामिल होंगे ये सितारे, जानें कब और कहा शुरू होगा फैशन शो, थीम है द गार्डन ऑफ टाइम

मेट गाला 2024 के फैशन शो में हॉलीवुड सितारों के अलावा बॉलीवुड अभिनेत्रियां भी शामिल होंगी। हर साल दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा इसका हिस्सा बनती आई हैं, लेकिन हो सकता है कि इस बार प्रेग्नेंसी की वजह से दीपिका इस समारोह का हिस्सा ना बन पाए। हालांकि दीपिका की तरफ से अभीतक ऐसा कोई बयान नहीं आया है। इस बार हॉलीवुड से कौन से सितारे इस शो का हिस्सा बनेंगे इसकी जानकारी सामने आ चुकी है, लेकिन बॉलीवुड से कौन से सितारे इस शो में शामिल होंगे इसकी सूची अभीतक जारी नहीं की गई है।हर साल की तरह इस साल भी मेट गाला का आगाज बड़ी ही धूमधाम से होने जा रहा है। मेट गाला एक चैरिटेबल फैशन शो है, जो हर साल मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट, न्यूयॉर्क में आयोजित किया जाता है। हर साल रेड कारपेट पर अलग-अलग फिल्म

इंडस्ट्री के सितारे शामिल होते हैं। इस दौरान यहां सितारों का अजीबो-गरीब फैशन देखने को मिलता है। जिसे लेकर दर्शकों में काफी उत्सुकता रहती हैं। आइए जानते हैं यह शो कब शुरू हो रहा है और इस बार शो में क्या खास ड्रेस कोड होने वाला है।इस साल मेट गाला मई यानी की 6 मई के पहले सोमवार को आयोजित किया जा रहा है। कॉस्ट्यूम इंस्टीट्यूट बेनिफिट उर्फ मेट गाला को न्यूयॉर्क के मेट्रोपॉलिटन म्यूजियम ऑफ आर्ट में आयोजित किया जा रहा है।मेट गाला 2024 शो में हॉलीवुड से लेकर बॉलीवुड समेत कई सितारे इस महफिल की शान बढ़ाते हैं। इस बार जो सितारे इस शो का हिस्सा बनेंगे उनके नाम में अमेरिकन सिंगर रिहाना, सुपरमॉडल केंडल जेनर और लिली ग्लैडस्टोन का नाम शामिल है। इस साल मेट गाला की थीम %द गार्डन ऑफ टाइम% रखी गई है। मीडिया रिपोट्स के अनुसार, जिउ-जित्सु प्रशिक्षक जोआकिम वैलेंटे के साथ गाला नाइट में शामिल हो सकते हैं। बुंडचेन पहले अपने पूर्व पति टॉम ब्रैडी के साथ कई मेट गैलास में शामिल हो चुकी हैं। उनके अलावा, द बेयर स्टार आयो एडेबिरी, ओलिविया रोड्रिगो, उमा थुरमन, सारा पॉलसन को देखने की उम्मीद जताई जा रही है।

दुनियाभर में गूंजी बड़े मियां छोटे मियां की दहाड़, 100 करोड़ कमाने से इतने कदम दूर फिल्म

निर्देशक अली अब्बास जफर की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। फिल्म को लेकर लगातार सोशल मीडिया में हलचल मची हुई है। फिल्म में अक्षय का अभिनय हमेशा की तरह दर्शकों को बेहद पसंद आ रहा है। इस फिल्म में पहली बार अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ के साथ स्क्रीन स्पेस साझा किया है। हैरतअंगेज एक्शन दृश्यों भरी यह फिल्म न सिर्फ भारतीय दर्शकों को पसंद आ रही है, बल्कि विदेशी दर्शक भी फिल्म पर टूट कर पड़ रहे हैं। फिल्म का वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस कारोबार इस बात की गवाही दे रहा है।बड़े मियां छोटे मियां ने रिलीज के तीन दिन के भीतर ही दुनियाभर में अपनी सफलता का परचम बुलंद किया है। अपने लगातार बेहतर प्रदर्शन के साथ, बड़े मियां छोटे मियां सभी उम्र के दर्शकों का मनोरंजन करते हुए दर्शकों को खुश कर रही है। फिल्म ने तीसरे दिन भी 76.01 करोड़ की कुल कमाई के साथ दुनिया भर के दर्शकों को आकर्षित करना जारी रखा है।बड़े मियां छोटे मियां की कमाई को देखते हुए ऐसा लगता है कि फिल्म जल्द ही 100 करोड़ के क्लब में एंट्री कर लेगी। घरेलू बॉक्स ऑफिस पर भी अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ की फिल्म ने 15.65 करोड़ रुपये का कारोबार किया। दूसरे दिन शुक्रवार को फिल्म ने 7.06 करोड़ कमाए। इस तरह फिल्म ने महज दो दिन के अंदर 23.28 करोड़ कमा लिए। हालांकि, तीसरे दिन फिल्म की कमाई में एक और बार उछाल देखने को मिला। फिल्म ने तीसरे दिन 5.55 करोड़ रुपये की कमाई की है, फिल्म ने अब तक 28.8 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है।अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ के अलावा फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन , मानुषी छिल्लर , अलाया एफ, सोनाक्षी सिन्हा और रोनित बोस रॉय भी अहम भूमिकाओं में हैं। अक्षय कुमार और टाइगर दोनों ही इंडस्ट्री में अपने एक्शन और स्टंट के लिए मशहूर हैं। अब जब दोनों एक ही फिल्म में साथ नजर आए हैं तो पूरी उम्मीद है कि बॉक्स ऑफिस पर कुछ नए रिकॉर्ड तो जरूर बनेंगे।

मुंबई में यहां दिखा 'आईएसआई' चीफ, निशाने पर कश्मीर, जानिए क्या है पूरा मामला...!

रात का वक्त है। गलियों में सन्नाटा है। कोहरा सा पसरा हुआ है। तभी एक जीप आती है। जीप से जो शख्स उतरता है, उस पर दुनिया भर की जासूसी एजेंसियों की नजर है। लेकिन, ये शख्स यहां पूरे इत्मीनान से है। चेहरे पर किसी तरह का खौफ नहीं, बल्कि एक साजिश की कालिख सी नजर आती है। पता चलता है कि ये 'पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई' का चीफ है। नाम क्या है, पहली बार में पता नहीं चलता। और, करीब आने पर चेहरा साफ नजर आता है। जी हां, ये दृश्य है यहां मुंबई के निकट मीरा रोड में चल रही एक फिल्म की शूटिंग का।मुंबई के मीरा रोड स्थित एलोरा स्टूडियो में चल रही फिल्म की शूटिंग पर हम पहुंचे हुए हैं। पहली बार में तो मामला समझ नहीं आता है। फिर फिल्म से जुड़े लोगों से बात होती है। पता चलता है कि आज शूटिंग का पहला दिन है। शूटिंग के पहले दिन इस्लामाबाद के कुछ दृश्य फिल्माए जा रहे हैं, जहां आईएसआई चीफ बने अभिनेता रजा मुराद अपने साथियों के साथ पहुंचे हुए हैं। आईएसआई चीफ की भूमिका में अभिनेता इस्लामाबाद के एक पुलिस स्टेशन पहुंचते हैं और भारत को दहलाने का प्लान बनाते हैं। शूटिंग के बीच में कुछ वक्त मिलता है तो रजा मुराद से बात होती है। इस दौरान फिल्म और अपने किरदार के बार में बात करते हुए रजा मुराद कहते हैं यह कश्मीर पर बनी अब तक की सभी फिल्मों से बिल्कुल अलग होगी। आईएसआई चीफ की भूमिका में मेरे किरदार का नाम क्या है, इसे फिल्म के निर्माता अभी रिवील नहीं करेंगे, जब फिल्म आएगी तो सभी उनके किरदार और उस वास्तविक नाम को जान जाएंगे। यह फिल्म काल्पनिक कहानी पर नहीं बल्कि कश्मीर में घटी वास्तविक घटना पर बुनी गई है।'हम जिस फिल्म के सेट पर पहुंचे हुए हैं, उसका नाम है, 'कश्मीर एनिग्मा ऑफ पैराडाइज'। पहले चर्चा थी कि ये एक वेब सीरीज है। लेकिन, निर्देशक अतुल गर्ग बताते हैं कश्मीर पर अब तक जितनी भी फिल्में बनी हैं वे कुछ अंश या हिस्से को लेकर हैं, लेकिन फिल्म 'कश्मीर एनिग्मा ऑफ पैराडाइज' में 1931 से लेकर 2024 तक की सभी महत्वपूर्ण घटनाओं को समाहित किया गया है। इतिहास और कश्मीरी मूल्यों के लिहाज से यह फिल्म बहुत ही समृद्ध होगी। इस फिल्म के माध्यम से दुनिया को यह बताया जा रहा है कि कश्मीर और कश्मीरी एक बार फिर मुख्य धारा में लौट आए हैं। कश्मीर पर हम भले ही बाहर से कुछ भी थोप दें लेकिन कश्मीरियत अभी मरी नहीं है।'

राजकुमार राव ने कराई चेहरे की सर्जरी! फाइटर के विलेन से हुई तुलना, ट्रोल बोले- पहचान नहीं पाए

अभिनेता राजकुमार राव अपनी फिल्मों में अलग तरह के किरदार निभाने के लिए पहचाने जाते हैं। अभिनेता लगातार अपनी फिल्मों में कुछ नया करने की कोशिश करते दिखाई देते हैं। राजकुमार राव जल्द ही निर्देशन तुषार हीरानंदानी की फिल्म श्रीकांत बोला की बायोपिक में नजर आएंगे। अब हाल ही में, अभिनेता की कुछ तस्वीरें वायरल हो रही है, जिसे लेकर दावा किया जा रहा है कि उन्होंने चेहरे की सर्जरी कराई है। आइए जानते हैं कि पूरा मामला क्या है।राजकुमार ने शनिवार रात मुंबई में दिलजीत दोसांझ के संगीत कार्यक्रम में भाग लिया और जैसे ही उनकी तस्वीरें वायरल हुईं तो इंटरनेट पर हड़कंप मच गया। कुछ यूजर्स ने उनकी तुलना अभिनेता ऋषभ साहनी से भी की, जिन्होंने ऋतिक रोशन और दीपिका पादुकोण की फाइटर में खलनायक की भूमिका निभाई थी।कुछ यूजर्स ने सोशल मीडिया पर राजकुमार राव की कुछ पुरानी तस्वीरों की तुलना उनके नए लुक से कर रहे हैं और फैंस को दोनों तस्वीरों में फर्क भी साफ देखने को मिल रहा है। कई यूजर्स का कहना है कि उन्होंने राजकुमार राव को जब पहली बार देखा तो पहचान ही नहीं पाए। हालांकि, अभिनेता ने अभी तक अपने सर्जरी कराने की खबरों की पुष्टि नहीं की है।एक यूजर ने लिखा, सर्जरी के बाद राजकुमार राव अब फाइटर के उस खलनायक आदमी की तरह दिखते हैं, जबकि दूसरे ने कहा, जब मैंने पहली बार तस्वीर देखी तो मैं सचमुच उन्हें पहचान नहीं पाया।एक कमेंट में लिखा था, ओह, काफी भयानक लग रहे हैं। एक और यूजर ने पूछा, ये लोग इन चीजों के प्रति इतने जुनूनी क्यों हैं।

चमकीला स्टार्स संग खुशी से चमकते दिखे कपिल शर्मा, दिलजीत-परिणीति ने शो में लगाए चार चांद

द ग्रेट इंडियन कपिल शो का तीसरा एपिसोड नेटफ्लिक्स पर कल यानी शनिवार रात को प्रसारित किया गया। कपिल शर्मा के इस शो के तीसरे एपिसोड में निर्देशक इम्तियाज अली, दिलजीत दोसांझ और परिणीति चोपड़ा बतौर मेहमान शामिल हुए। इम्तियाज अली द ग्रेट इंडियन कपिल शो में अपनी नई रिलीज हुई फिल्म अमर सिंह चमकीला को प्रमोट करने पहंचे थे। आइए आपको बताते हैं कपिल ने अपने मेहमानों के साथ मिलकर क्या धमाल मचाया -- द ग्रेट इंडियन कपिल शो के साथ कपिल शर्मा एक बार फिर से कॉमेडी करते नजर आ रहे हैं। दर्शकों को कपिल का यह शो काफी पसंद भी आ रहा है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो में कल इम्तियाज अली अपनी फिल्म चमकीला के स्टार्स के साथ पहुंचे थे।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो द ग्रेट इंडियन कपिल शो यह एपिसोड अभी तक प्रसारित हुए सभी एपिसोड में से बेहतरीन है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो परिणीति चोपड़ा अपने दिलकश अंदाज में जलवा बिखेरती नजर आईं। चमकीला फिल्म के लिए उन्हें कपिल शर्मा ने बधाई दी। परिणीति काले रंग की साड़ी में बेहद हसीन लग रही थीं। अपने लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने हल्का सा मेकअप किया था। सोशल मीडिया पर उनका यह सादा और सुंदर लुक काफी वायरल हो रहा है। द ग्रेट इंडियन कपिल शो के तीसरे एपिसोड में कृष्णा अभिषेक डोनाल्ड ट्रंप की भूमिका निभाते नजर आए। कृष्णा की अदाकारी ने दर्शकों के दिलों को जीत लिया। वे ट्रम्प की आवाज से लेकर उनके भाषण के तरीकों की नकल करते दिखाई दिए। उन्हें देखकर साल 2020 की यादें ताजा हो गईं जब ट्रंप ने भारत की अपनी आधिकारिक यात्रा के दौरान भारतीय नामों का उच्चारण करने की कोशिश की थी और वे असफल रहे थे। कपिल शर्मा के शो द ग्रेट इंडियन कपिल शो में कीकू शारदा कल बिल्कुल नए अंदाज में दिखे। वे किम का रूप धारण करके दर्शकों के सामने हाजिर हुए। उनकी एक्टिंग दर्शकों को काफी पसंद आई। कल प्रसारित हुआ यह एपिसोड द ग्रेट इंडियन कपिल शो के बेहतरीन एपिसोड में से एक है।

अमेरिकी से आवक कम लेकिन आस्ट्रेलिया से जल्दी आवक से बादाम पर दबाव

इंदौर। बादाम के प्रमुख उत्पादक केंद्र कैलिफोर्निया में बादाम का स्टाक कमजोर होने के कारण मार्च में भारत के लिए जारी हुए मात्र 740 कंटेनर, जबकि फरवरी में 850 कंटेनर जारी किए गए थे। इसका प्रमुख कारण कैलिफोर्निया में बादाम का स्टाक कम होना था। बीती फसल कम हुई थी, लेकिन आने वाली फसल जोरदार बताई जा रही है। फिलहाल कम कंटेनर जारी होने क बावजूद बादाम की कीमतों में लंबी तेजी नजर नहीं आ रही है। दरअसल, अप्रैल और मई में बादाम की खपत वैसे ही कमजोर रहती है। इसके अलावा इस महीने के अंत तक आस्ट्रेलियन बादाम की आवक भी भारतीय बाजारों में शुरू हो जाएगी। इस बार आस्ट्रेलिया में बादाम का उत्पादन पिछले साल से अच्छा बताया जा रहा है। इसके चलते मई तक बादाम की कीमतों में कोई बड़ी तेजी की गुंजाइश नजर नहीं आ रही है। लेकिन लोकसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद बादाम की मांग धीरे-धीरे बढ़ना शुरू हो जाएगी जो दिसंबर तक बराबर रहने की उम्मीद है। इन दिनों इंदौर में बादाम इंडिपेंडेंट 540-560, अमेरिकी 630-660 रुपये प्रति किलो तक बिक रही है। इधर, खोपरा बूरे में वैवाहिक सीजन वालों की मांग जोरदार बनी हुई है, जिससे बूरे के दाम तेजी की स्थिति बनी हुई है। खोपरा गोले में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। दूसरी ओर नारियल में फिलहाल ग्राहकी कमजोर है जिससे इसके बढ़ते दामों में रुकावट के साथ ही मंदी का वातावरण बना हुआ है। नारियल की आवक दो गाड़ी की बताई गई। शकर में चारों तरफ से लेवाली आने लगी है जिससे इसके दाम मजबूती पर टिके हुए है। शकर नीचे में 3825 तथा ऊपर में 3900 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। शकर की आवक सात गाड़ी की रही। नारियल - नारियल 120 भरती 1900-2000, 160 भरती 1900-2000, 200 भरती 2050-2100, 250 भरती 2050-2100 प्रति बोरी और खोपरा गोला बक्सा 120-135, कट्टे 110-111 रु. प्रति किलो और खोपरा बूरा 2400-4500, नारियल-बूरा अल्पाहार (1 किलो) 2751 प्रति 15 किलो। फलाहारी - साबूदाना सच्चासाबू एगमार्क (500 ग्राम) 7640, सच्चासाबू खीरदाना 7510, सच्चासाबू चीनीदाना 7840, सच्चासाबू फूलदाना 8200, साबूदाना चक्र एगमार्क 7320, शिवज्योति (1 किलो) 7240, गोपाल लूज (25 किलो) 6820, कुकरीजाकी मोरधन (500 ग्राम) 9790 प्रति क्विंटल। रायल रतन सच्चामोती (1 किलो) 7250, रायलरतन सच्चामोती (500 ग्राम) 7310 व लूज 6750, रायलरतन सच्चामोती पोहा एक किलो 5350 व 35 किलो पैकिंग में 4700, रायलरतन मोरधन (आधा किलो) 10500 रुपये। पूजन सामग्री - केसर 190-210 ब्रांडेड 220-223, देशी कपूर 550 से 750, ब्रांडेड कपूर 750 से 800, पूजा बादाम 110 से 125, बेस्ट 175 से 190, पूजा सुपारी 475, अरीठा 130, सिंदूर (25 किलो) 7400 रुपये। मसालों के दाम - हल्दी निजामाबाद 180 से 210, हल्दी लालगाय 275-280 कालीमिर्च गारबल 555 से 565 एटम 575 से 580, मटरदाना 590 से 625, जीरा ऊंझा 290 से 310, मीडियम 320 से 340 बेस्ट 360-370 सौंफ मोटी 95 से 125, मीडियम 175 से 225, बेस्ट 355 से 375, बारीक 350-400 , लौंग मीडियम 850 से 900, बेस्ट 950-965 सौंठ 295 से 325 बेस्ट 375 से 400, दालचीनी 245-255, जायफल 580-650, बेस्ट 700 जावत्री 1900-1950, बड़ी इलायची 1375-1425, मीडियम 1475-1575 और बेस्ट 1625-1675, पत्थरफूल 351 से 375, बेस्ट 475, बाद्यान फूल 550 से 575, बेस्ट 750-775 शाहजीरा खर 350 से 360, ग्रीन 600-611, तेजपान 91-101, नागकेसर 750 से 775, धोली मूसली 2100 से 2250, सिंघाड़ा छोटा 90-105 बड़ा 115 हींग वनदेवी दाना751- 3450, पाउच में 10 ग्राम 3530, 121- 50 ग्राम 3250, पाउच में 10 ग्राम 3330, 111-50 ग्राम 3050, पाउच में 10 ग्राम 3130, पावडर 875-925 , हरी इलायची 1850-1900 मीडियम बोल्ड 2050 से 2100 बोल्ड 2250-2350 बेस्ट ए बोल्ड 2400-2650 और सफेद तिल्ली 178-195 बेस्ट 200-220 रुपये। सूखे मेवों के दाम - काजू डब्ल्यू 240 नंबर 760-800, काजू डब्ल्यू 320 नंबर 680 से 700, काजू डब्ल्यू 300 नंबर 670-680, काजू जेएच 590-600 टुकड़ी 530-550, बादाम 540-560 बेस्ट 630-660 आस्ट्रेलियन बादाम बेस्ट 625-750 खसखस मीडियम 650-725 बेस्ट 1125-1225 तरबूज मगज 610-640 खारक 115-135 मीडियम 145 से 175 बेस्ट 225 से 250 ए. बेस्ट 301 किशमिश कंधारी 420 से 470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140 से 150 बेस्ट 170 से 190 , चारोली 1485 से 1550, बेस्ट 1600 मुनक्का 450 से 550 बेस्ट 650 से 900, अंजीर 750 से 900 बेस्ट 1150 से 1450 मखाना 650 से 785, मीडियम 825 से 875 बेस्ट 900-925, पिस्ता 1300-1450 ईरानी 1500-1600, नमकीन पिस्ता 850-1000 अखरोट 450 से 500, बेस्ट 550 से 650, अखरोट गिरी 700 से 1050 जर्दालू 250 से 350, बेस्ट 450 से 550 गोंद नाइजीरिया 180-250, गोंद धावड़ा 400-700 रुपये।

रिकार्ड तेजी के बाद सोने में 500 और चांदी में 800 रुपये की गिरावट

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिवस शुक्रवार को सोने और चांदी में देर रात तक भारी उठा-पटक देखने को मिली। शुक्रवार शाम तक अंतराष्ट्रीय बुलियन वायदा मार्केट में सोना रिकार्ड हाई 2471 डालर प्रति औंस और चांदी 29.78 डालर प्रति औंस पर पहुंचे। इसके बाद मुनाफावसूली की बिकवाली बढ़ जाने से देर रात को सोना-चांदी वायदा टूटकर बंद हुआ। भारतीय बाजारों में ऊंचे दामों की वजह से ग्राहकी बेहद सुस्त बनी हुई है। इसके चलते शनिवार को भारतीय बाजारों में छोटे निवेशकों की मुनाफावसूली की बिकवाली देखने को मिली है, जिससे दोनों मूल्यवान धातुओं की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। शनिवार को इंदौर में सोना कैडबरी नकद में 500 रुपये टूटकर 73800 रुपये प्रति दस ग्राम और चांदी 800 रुपये घटकर 81200 रुपये प्रति किलो रह गई। हालांकि घटे दामों पर भी कोई विशेष कारोबार नहीं है। जिन घरों में शादियां हैं वो आवश्यकता पूर्ति हेतु खरीदी कर रहे हैं। बाजार में इन दिनों पुराना सोने की बिकवाली खूब हो रही है। कई ग्राहक तो पुराना सोना देकर नए गहनें लाइट वैट के ले रहे हैं। ताकि बजट पर ज्यादा असर ना पड़े। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सोने की कीमतें बढ़ने के पीछे की एक वजह यह है कि कई देशों के सेंट्रल बैंक अपने रिजर्व में सोने का भंडार बढ़ा रहे हैं। इसमें भारत का रिजर्व बैंक और चीन का सेंट्रल बैंक शामिल हैं। पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना लगातार 17 महीने से सोने की खरीदारी कर रहा है। इसके अलावा अमेरिका में आने वाले समय में ब्याज दरों में गिरावट की आशंका से भी सोने में तेजी को बल दिया है। सोना कैडबरी रवा नकद में 73800 रुपये, सोना (आरटीजीएस) 74300 रुपये तथा सोना (91.60 कैरेट) (आरटीजीएस) 68000 रुपये प्रति दस ग्राम बोला गया। शुक्रवार को सोना 74300 रुपये पर बंद हुआ था। वहीं, चांदी चौरसा 81200 रुपये, चांदी चौरसा (आरटीजीएस) 84200 रुपये तथा चांदी टंच 81400 रुपये प्रति किलो बोली गई। शुक्रवार को चांदी चौरसा (नकद) 82000 रुपये पर बंद हुई थी। उज्जैन सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम सोना स्टैंडर्ड 73900 रुपये तथा सोना रवा 73800 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी पाट 81700 रुपये तथा चांदी टंच 81600 रुपये प्रति किलो बोली गई। सिक्का 800 रुपये प्रति नग रहा। रतलाम सराफा बाजार में सोना-चांदी के दाम सोना स्टैंडर्ड 74300 रुपये तथा सोना रवा 74250 रुपये प्रति दस ग्राम के भाव रहे। वहीं, चांदी चौरसा 84000 रुपये तथा चांदी टंच 84100 रुपये प्रति किलो बोली गई।

दालों की महंगाई बेकाबू, अब इंदौर की मंडी में चने में तेजी का दौर

इंदौर। मंडियों में चना की आवक मांग के अनुरूप नहीं होने से कीमतों में एकतरफा तेजी की स्थिति बनी हुई है। शनिवार को इंदौर मंडी में चना कांटा 250-300 रुपये प्रति क्विंटल तक उछल गया और दोपहर तक चना कांटा बढ़कर 6250-6300, विशाल 6000-6175 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। इधर, चने में स्टॉकिस्टों की सक्रियता बनी हुई है। वहीं वैवाहिक सीजन की वजह से चना दाल और बेसन में मांग जोरदार देखी जा रही है, जिसके चलते मिलर्स की चने में मांग बढ़ रही है। शाम को और जबरदस्त लेवली आने से चना कांटा उछलकर 6400, विशाल 6300 बिक गया।

राजस्थान, गुजरात में एमएसपी पर चना खरीदी होने से भी चने की तेजी को सपोर्ट मिल रहा है। हालांकि चना की एमएसपी पर खरीदी की शुरुआत पिछले साल से कुछ कमजोर है। सरकार दलहन के बढ़ते दामों को नियत्रंण करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है लेकिन सरकार को सफलता हासिल नहीं हो रही है। सरकार ने चना की कमी की पूर्ति के लिए मटर आयात जून तक खोल रखा है। दूसरी और काबुली चने में ऊंचे दामों की वजह से हलके-मीडियम क्वालिटी के काबुली चने की आवक खूब हो जाने और ऊंचे दामों पर लेवाल कमजोर होने से भाव में गिरावट रही। काबुली चना 300 रुपये प्रति क्विंटल तक टूट गया। व्यापारियों का कहना है कि अच्छी क्वालिटी के काबुली चने में ज्यादा मंदी की गुंजाइश नहीं है। मसूर में अच्छी पूछताछ रहने से भाव मजबूती पर टिके हुए है। मसूर 6100-6125 रुपये प्रति क्विंटल तक बोली गई। आयातित तुवर में डिमांड कुछ कमजोर रहने से भाव में गिरावट रही। हालांकि देसी तुवर के दाम मजबूती पर टिके हुए है। अन्य दाल-दलहन में कारोबार सामान्य रहा। भाव में कोई खास परिवर्तन नहीं रहा। कंटेनर में डालर चना बढ़कर 40/42 12200, 42/44 11900, 44/46 11600, 58/60 10100, 60/62 10000, 62/64 9900 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। दलहन के दाम - चना कांटा 6250-6300, विशाल 6000-6175, डंकी चना 5500-5900, मसूर 6100-6125, तुवर महाराष्ट्र सफेद 11400-11600, कर्नाटक 11600-11800, निमाड़ी तुवर 9800-11100, मूंग 9000-9200, बारिश का मूंग नया 9200-10000, एवरेज 7000-8000, उड़द बेस्ट 8800-9200, मीडियम 7000-8000, हल्की उड़द 3000-5000, गेहूं मिल क्वालिटी 2450-2550, मालवराज गेहूं 2400-2450, लोकवन 2650-3100, पूर्णा 2560-2900 रुपये क्विंटल। दालों के दाम - चना दाल 8000-8100, मीडियम 8200-8300, बेस्ट 8400-8500, मसूर दाल 7300-7400, बेस्ट 7500-7600, मूंग दाल 10550-10650, बेस्ट 10750-10850, मूंग मोगर 11450-11550, बेस्ट 11650-11750, तुवर दाल 14200-14300, मीडियम 15000-15100, बेस्ट 16000-16100, ए. बेस्ट 17000-17100, पैक्ड तुवर दाल नई 17200, उड़द दाल 11300-11400, बेस्ट 11500-11600, उड़द मोगर 11900-12000, बेस्ट 12100-12200 रुपये प्रति क्विंटल। इंदौर चावल भाव - दयालदास अजीतकुमार छावनी के अनुसार बासमती (921) 11500-12500, तिबार 10000-11000, बासमती दुबार पोनिया 8500-9500, मिनी दुबार 7500-8500, मोगरा 4500-7000, बासमती सेला 7000-9500, कालीमूंछ डिनरकिंग 8500, राजभोग 7500, दुबराज 4500-5000, परमल 3200-3400, हंसा सेला 3400-3600, हंसा सफेद 2800-3000, पोहा 4300-4700 रुपये क्विंटल।

क्रिकेटर दीपेंद्र सिंह ऐरी ने 6 गेंदों पर जड़े 6 छक्के, युवराज सिंह का तोड़ा वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली । नेपाली क्रिकेटर दीपेंद्र सिंह ऐरी ने शनिवार 13 अप्रैल को उस समय सुर्खियां बटोरी जब उन्होंने एसीसी मेन्स टी20आई प्रीमियर कप 2024 में कतर के खिलाफ बल्ले से कहर मचाया। दीपेंद्र ने 21 गेंदों पर 64 रनों की धुआंधार पारी खेल टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने अपनी इस पारी में 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाकर बड़ा कारनामा किया। वह टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में एक ओवर में 6 छक्के लगाने वाले दुनिया के मात्र तीसरे क्रिकेटर बने हैं। उनसे पहले यह कारनामा भारत के युवराज सिंह और वेस्टइंडीज के कीरोन पोलार्ड कर चुके हैं।

कौन हैं दीपेंद्र सिंह ऐरी?

दीपेंद्र सिंह ऐरी एक नेपाली क्रिकेटर हैं जिनका जन्म 24 जनवरी 2000 को हुआ था। अगस्त 2018 में, वह नीदरलैंड के खिलाफ नेपाल के पहले वनडे मैच में खेलने वाले ग्यारह क्रिकेटरों में से एक थे। उन्हें नेपाल के सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडरों में से एक माना जाता है। चीन के हांग्जो में 19वें एशियाई खेलों के दौरान, ऐरी ने मंगोलिया के खिलाफ केवल 9 गेंदों पर 50* रन बनाकर टी20ई क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। वह कनाडा में ग्लोबल टी-20 लीग 2023 के दौरान मॉन्ट्रियल टाइगर्स के लिए तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी थे। अब वह टी-20 क्रिकेट के इतिहास में एसीसी प्रीमियर कप में कतर के खिलाफ एक ओवर में छह छक्के लगाने वाले तीसरे क्रिकेटर बन गए हैं।

युवराज सिंह का वर्ल्ड रिकॉर्ड ध्वस्त कर चुके हैं दीपेंद्र

युवराज सिंह ने टी20 वर्ल्ड कप 2007 में इंग्लैंड के खिलाफ 12 गेंदों में अर्धशतक जड़ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट की सबसे तेज फिफ्टी जड़ी थी। दीपेंद्र ने पिछले साल 19वें एशियाई खेलों के दौरान मंगोलिया के खिलाफ 9 गेंदों में फिफ्टी जड़ युवी का यह रिकॉर्ड ध्वस्त किया था। Tw® में एक ओवर में 6 छक्के लगाने वाले तीसरे बल्लेबाज बने दीपेंद्र दीपेंद्र ने टी20 इंटरनेशनल में एक ओवर में 6 छक्के लगाने वाले दुनिया के मात्र तीसरे खिलाड़ी बने हैं। उन्होंने कतर के खिलाफ आखिरी ओवर में कामरान खान की 6 गेंदों पर 6 छक्के लगाए। युवराज सिंह ने इंग्लैंड के खिलाफ ही टी20 वर्ल्ड कप 2007 में यह कारनामा किया था, वहीं कीरोन पोलार्ड ने 2021 में श्रीलंका के खिलाफ एक ओवर में 6 छक्के जड़े थे। दीपेंद्र सिंह ऐरी ने कतर के खिलाफ इस मैच में 21 गेंदों पर 3 चौकों और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 64 रनों की नाबाद पारी खेली।

राजस्थान रॉयल्स ने रोमांचक मुकाबले में पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हराया

नई दिल्ली । आईपीएल 2024 के 27वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हरा दिया है। इस सीजन पांचवी जीत दर्ज करने के साथ राजस्थान की टीम अंक तालिका में शीर्ष पर काबिज है। उसके 6 मैच में अब 10 अंक हो गए हैं। दूसरी ओर पंजाब को 6 मैच में चौथी हार का सामना करना पड़ा। उसे सिर्फ 2 मैचों में ही जीत मिली है। अंक तालिका में पंजाब की टीम आठवें पायदान पर है। चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में स्थित महाराजा यादविंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में शनिवार को खेले गए मुकाबले में राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। पंजाब ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 147 रन बनाए। जवाब में राजस्थान की टीम ने शिरोमन हेटमायर की छोटी लेकिन निर्णायक पारी की मदद से 19.5 ओवर में 7 विकेट पर 152 रन बनाकर मैच को जीत लिया। हेटमायर ने अर्शदीप सिंह के आखिरी ओवर में 2 छक्के लगाकर टीम को जीत दिला दी। अर्शदीप 20वें ओवर में 10 रन नहीं बचा सके। हेटमायर 10 गेंद पर 27 रन बनाकर नॉटआउट रहे। उन्होंने एक चौका और 3 छक्के लगाए। राजस्थान के लिए हेटमायर के अलावा यशस्वी जायसवाल ने 39, तनुष कोटियान ने 24 और रियान पराग ने 23 रन बनाए। कप्तान संजू सैमसन ने 18 रन का योगदान दिया। रोवमन पॉवेल 11 और ध्रुव जुरेल 6 रन बनाकर आउट हुए। पंजाब की तरफ से कगिसो रबाडा और सैम करन ने 2-2 विकेट लिए, जबकि अर्शदीप सिंह, हरप्रीत बराड़ और लियाम लिविंगस्टोन को 1-1 सफलता मिली। इससे पहले, राजस्थान के गेंदबाजों ने इस मैच में कमाल का प्रदर्शन किया और पंजाब को 150 रन के आंकड़े तक भी नहीं पहुंचने दिया। पंजाब के लिए आशुतोष शर्मा ने 16 गेंद पर सबसे ज्यादा 31 रन बनाए। जितेश शर्मा ने 24 गेंद पर 29 और लियाम लिविंगस्टोन ने 14 गेंद पर 21 रन बनाए। अथर्व तायदे और जॉनी बेयरस्टो 15-15 रन बनाकर आउट हो गए। प्रभसिमरन ने 10, शशांक शर्मा ने 9 और सैम करन ने 6 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें और अंतिम मैच में भारत को 3-2 से हराया, श्रृंखला 5-0 से जीती

नई दिल्ली । पांच मैचों की टेस्ट श्रृंखला के पांचवें और अंतिम मैच में, भारतीय पुरुष हॉकी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-3 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। भारत के लिए हरमनप्रीत सिंह (4%) और बॉबी सिंह धामी (53%) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए जेरेमी हेवर्ड (20%), के विलॉट (38%) और टिम ब्रांड (39%) गोल स्कोरर रहे। इस हार के साथ ही भारतीय टीम पांच मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर सकी और ऑस्ट्रेलिया ने क्लीन स्विप करते हुए श्रृंखला 5-0 से अपने नाम की। शुरुआती क्वार्टर में, भारत ने गेंद पर कब्ज़ा बनाए रखने और खेल की गति निर्धारित करने के लिए एक केंद्रित दृष्टिकोण के साथ शुरुआत की। इस रणनीति ने उन्हें लगातार पेनल्टी कॉर्नर अर्जित करते हुए कई बार ऑस्ट्रेलिया की रक्षा में सेंध लगाने में सक्षम बनाया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह मैच के चौथे मिनट में दूसरे मौके का फायदा उठाते हुए, सटीकता और गति के साथ एक बेहतरीन ग्राउंडेड शॉट के जरिये गोल कर भारत को बढ़त दिलाई। बढ़त हासिल करने के साथ ही भारत ने अपना आक्रामक दबाव तेज कर दिया, लगातार ऑस्ट्रेलिया की रक्षा पंक्ति का परीक्षण किया। अंततः मेहमान टीम को पहले क्वार्टर के समापन तक अपनी 1-0 की बढ़त बनाए रखने में मदद मिली। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में, भारत ने अपनी बढ़त बढ़ाने और ऑस्ट्रेलिया पर प्रभुत्व बनाए रखने के लक्ष्य के साथ आक्रामक रुख अपनाया। फिर भी, घरेलू टीम 20वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल करने में सफल रही, जिसका फायदा उनके फॉर्म में चल रहे खिलाड़ी जेरेमी हेवर्ड ने उठाया और गोल कर ऑस्ट्रेलिया को 1-1 से बराबरी दिला दी। स्कोर बराबर होने के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने अपने आक्रामक प्रयास तेज़ कर दिए, लगातार भारत पर दबाव डाला और कई मौके बनाए, हालांकि उन्हें सफलता नहीं मिली और हाफ टाइम की सीटी बजने तक टीमें 1-1 से बराबरी पर रहीं। तीसरे क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने अपने जवाबी हमले के मौके का फायदा उठाया, जिसमें काय विलॉट (38%) और टिम ब्रांड (39%) ने एक मिनट के भीतर दो फील्ड गोल कर मेजबान टीम को 3-1 की आरामदायक बढ़त दिला दी। वापसी की कोशिश में, भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी तीव्रता बढ़ा दी, लगातार दबाव डाला और त्वरित पास दिए। उनके प्रयास तब फलीभूत हुए जब बॉबी सिंह धामी ने 53वें मिनट में अपना पहला अंतरराष्ट्रीय गोल कर स्कोर 3-2 कर दिया और अंत में यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैचों की श्रृंखला 5-0 से अपने नाम कर ली।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र और कैराना लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की बैठकों और चुनावी सभाओं में अपनी बात रखी

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने यूपी की सभी 80 सीटें जीतने और नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने का दावा किया

गौरव सिंघल। सिटी चीफ
सहारनपुर, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज सहारनपुर लोकसभा क्षेत्र और कैराना लोकसभा क्षेत्र में भाजपा की बैठकों और चुनावी सभाओं में अपनी बात रखी। उन्होंने मीडिया से बातचीत में आज फिर दोहराया कि भारतीय जनता पार्टी अपने सहयोगी दलों के साथ इस बार उत्तर प्रदेश के सभी 80 सीटों पर शानदार जीत दर्ज करेगी।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सहयोग के बूते नरेंद्र मोदी भारत के लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे। केशव प्रसाद मौर्य आज भाजपा कार्यालय सहारनपुर पहुंचे जहां 11 बजे से इंतजार कर रहे कार्यकर्ताओं और समर्थकों को उन्होंने संबोधित किया। केशव प्रसाद मौर्य ने भाजपा के चुनाव प्रबंधन से जुड़े कार्यकर्ताओं की बैठक ली। उन्होंने बूथ प्रबंधन पर खास जोर दिया। उन्होंने सहारनपुर में बूथ प्रबंधन का काम असंतोषजनक पाने पर कड़ी नाराजगी जताई।

केशव प्रसाद मौर्य की इस महत्वपूर्ण बैठक में जिलेभर से वैश्य बिरादरी के चुनिंदा प्रमुख लोगों को पार्टी ने आमंत्रित किया था। लेकिन आयोजकों द्वारा उनको कोई तवज्जों नहीं दिए जाने पर उपमुख्यमंत्री ने अपनी नाराजगी जताई और संगठन के पदाधिकारियों से कार्यप्रणाली में सुधार लाने को कहा। वैश्य बिरादरी के जो प्रमुख लोग घंटों इंतजार करने के बावजूद अव्यवस्था के कारण बैठक में शामिल नहीं हो पाए उनमें नकुड़ के चेयरमैन शिव कुमार गुप्ता समेत 20-25 प्रमुख लोग शामिल थे। पार्टी पदाधिकारियों द्वारा इस संबंध में कोई खेद भी व्यक्त नहीं किया गया। ध्यान रहे इस पूरे क्षेत्र में पहले से ही राजपूत बिरादरी के लोग भाजपा से खफा चल रहे हैं। ऐसे में वैश्य और व्यापारियों की नाराजगी पार्टी को भारी पड़ सकती है। भाजपा के वैश्य बिरादरी के प्रमुख नेता सुनील गुप्ता ने बताया कि रविवार रात को सहारनपुर के एक होटल में व्यापारियों और वैश्य बिरादरी के प्रमुख लोगों की बैठक होगी। जिसमें भाजपा उम्मीदवार राघव लखनपाल शर्मा को समर्थन देने की घोषणा की जाएगी। मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और वैश्य बिरादरी के बड़े नेता श्याम जाजू होंगे। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज तीसरे पहर कैराना लोकसभा क्षेत्र के गंगोह में चुनावी सभा को संबोधित किया और प्रदीप चौधरी को जिताने की अपील की। कैराना के भाजपा सांसद और दूसरी बार पार्टी के उम्मीदवार बनाए गए प्रदीप चौधरी ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सभा में कल और आज उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की सभा में क्षेत्र के लोगों से अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगी। उन्होंने कहा कि पिछले पांच साल के दौरान उनसे जो भी गलतियां हुई हैं उसके लिए वे माफी चाहते हैं। प्रदीप चौधरी पर आरोप है कि उन्होंने पिछले दिनों राजपूतों और गुर्जरों के बीच उत्पन्न विवाद में सजातीय बिरादरी का साथ देकर दोनों बिरादरियों के बीच खाई को चौड़ा करने का काम किया था। वही नाराजगी इस चुनाव में भाजपा के लिए कई चुनाव क्षेत्रों में सिरदर्द बनी हुई है जिसे दूर करने के लिए आलाकमान के निर्देश पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बार-बार इन क्षेत्रों का दौरा करने को विवश होना पड़ रहा है।

कटनी में 4 वर्षीय मासूम लापता बालक के शव मिलने के मामले का हुआ खुलासा

मासूम बालक की हत्या का आरोपी गिरफ्तार

सुनील यादव। सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम खैरहाई स्थित अपने घर से रहस्तमय तरीके से लापता हुए 4 वर्षीय मासूम बालक का शव कैमोर थाना अंतर्गत ग्राम हरैया मार्ग पर मिलने के मामले की गुत्थी सुलझा ली गई है। इस मामले में पुलिस ने गांव के ही एक युवक को मासूम बालक की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा करते हुए कटनी एसपी अभिजीत रंजन ने बताया कि आरोपी ओमप्रकाश गौतम और नरेश बर्मन के परिवार के बीच रंजिश चली आ रही थी। इसी बात को लेकर घटना वाले दिन जब मासूम बालक अंशू आरोपी ओमप्रकाश गौतम की दुकान माजा लेने गया तो आरोपी ने उसे दुकान के पीछे ले जाकर पहले मुक्का मारा, इसके बाद गमछे में फंसाया और फिर हवा भरने वाले पंप से सिर में प्रहार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उसकी लाश को पारले बिस्किट की पॉलीथीन में भर कर फेंक दिया।

विजयराघवगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम खैरहाई निवासी नरेश बर्मन का 4 वर्षीय पुत्र अंशू बर्मन पिछले दो दिन पहले शाम वक्त अचानक लापता हो गया था। जब बच्चा देर तक घर नहीं लौटा तो परिजनों ने तलाश शुरू की लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद परिजनों ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बालक के अपहरण की आशंका व्यक्त की थी। पुलिस पतासाजी कर रही थी, इसी दौरान बालक का शव कैमोर थानांतर्गत गांजर हर्रैया मार्ग के किनारे पॉलिथीन में पैक मिला था। बहरहाल पुलिस ने ओमप्रकाश गौतम के विरूद्ध संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज करते हुए उसे गिरफ्तार कर आज पत्रकारवार्ता के बाद न्यायालय में पेश किया है।

रीवा जिले में बोरवेल में गिरा 6 वर्ष का बालक हार गया जिंदगी की जंग, अब पोस्टमार्टम की तैयारी

रीवा। जनेह थाना क्षेत्र के मनिका गांव में बोरवेल में गिरे बालक मयंक तक रेस्क्यू टीम पहुंच गई है। उसे बाहर निकाला जा रहा है। जानकारी के अनुसार 6 वर्ष के मयंक की सांसें थम चुकी हैं। त्यौंथर एसडीएम संजय कुमार जैन ने मयंक की मौत की की पुष्टि है और अब त्यौंथर में पोस्टमार्टम करने की तैयारी की जा रही है। मयंक तक एनडीआरएफ की रेस्क्यू टीम पहुंच गई, टीम ने उसे मृत बताया है। शव निकालने के बाद डॉक्टर परीक्षण करेंगे। घटना को लेकर पीटीसी कर रहे एक न्यूज चैनल पत्रकार के साथ पीड़ित के परिजन द्वारा की झूमाझटकी और मारपीट करने की कोशिश की गई। परिजन को मौके पर उपस्थित पुलिस बल ने रोका। घटनास्थल पर तनाव की स्थिति है।

24वें दिन सर्वे कार्य शुरू, जिस स्थान पर सालों पहले मिली थी मूर्तियां, आज वहीं होगी खुदाई

धार। ऐतिहासिक भोजशाला में 24 वें दिन का सर्वे शुरू हो चुका है। सर्वे टीम विशेष रूप से भीतरी परिसर में सर्वेक्षण का कार्य कर रही है। अंदर 6 स्थान पर चिन्ह लगाए गए थे, इसमें से एक स्थान पर खुदाई चल रही है। इसमें पत्थर निकलते जा रहे हैं। ऐसी संभावना है कि यहां से कुछ पुराने अवशेष प्राप्त हो सकते हैं।सालों पहले खुदाई के दौरान इसी क्षेत्र से कुछ मूर्तियां निकली थी, जो मांडू और धार के किले में रखी हुई है। सर्वे करने वाले दल में सदस्य की संख्या कम रह रही थी जो आज बढ़ गई है। रविवार को यह सर्वे शाम 5 बजे तक जारी रहेगा। सर्वे के 24वें दिन विशेष रूप से यह कार्य 50 मीटर के दायरे में भी किया जाएगा। प्राथमिक सर्वे में जो जानकारी मिली थी, उनकी पुष्टि करने के लिए 50 मीटर के दायरे में टीम भ्रमण करेगी।

सरभंगा के जंगल में बाघों के कुनबे में वृद्धि, बाघिन ने तीन शावकों को दिया जन्म

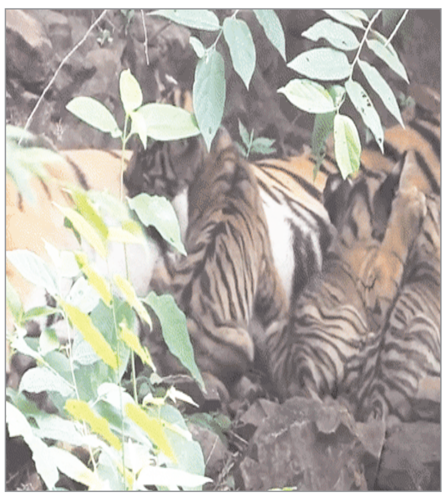

सतना। मझगवां वन क्षेत्र में के सरभंगा के जंगल में बाघों के कुनबे में लगातार वृद्धि हो रही है। वहीं अब 6 वर्षीय चितहरा वाली बाघिन ने दूसरी बार शावकों को जन्म दिया है। बाघिन ने इस बार तीन शावकों को जन्म दिया है। मझगवां वन क्षेत्र में अब दो दर्जन बाघों की हुई मौजूदगी हो चुकी है।

कब तक बोरवेल में दम तोड़ता रहेगा बचपन...

मध्य प्रदेश में बोरवेल को खुला छोड़ने के खिलाफ कानून फाइलों में तो सख्त होते जा रहा है । और तो और दूसरी तरफ बोरवेल के खुले गड्ढों को सूचना देने पर पुरस्कार की घोषणा भी हो गई है। माना जा रहा था कि इस नए एलान का सकारात्मक असर दिखाई देगा। एक दो वर्षों में बोरवेल के खुले गड्ढे दिखाई देंगे ही बंद हो जायेंगे लेकिन ये मध्यप्रदेश है जनाब और यहां कोई इतनी आसानी से सुधार जाए ऐसा संभव ही नहीं है। उल्लेखनीय है कि कानूनन मध्यप्रदेश में बोरवेल को खुला छोड़ना अपराध की श्रेणी में आता है लेकिन केबल फाइलों में। बोरवेल के गड्ढे में गिरने से अब तक ना जाने कितने बच्चों को जान जा चुकी है। बीते साल बैतूल में एक बच्चे की जान चली गई थी, फिर कुछ अर्से बाद विदिशा से भी बच्चे की मौत की खबर आई। जब 60 फीट गहरे बोरवेल में गिरने से लोकेश नामक मासूम की मौत हो गई और यह सिलसिला अनवरत जारी है। बोरवेल खनन के लिए कई नियम बने हुए हैं, लापरवाही में लोग नियमों पर ध्यान नहीं देते। इसका खामियाजा छोटे-छोटे मासूम बच्चों को उठाना पड़ता है। सीहोर से पहले विदिशा और उससे पहले उज्जैन, इंदौर, छतरपुर, दमोह सहित कई जिलों में और मध्यप्रदेश से बाहर निकल कर हर राज्य हर जिले मे कमोवेश यही हाल है हर हफ्ते देश के किसी ना किसी जगह से बोरवेल के गड्ढों से बच्चों के गिरने, मरने और दफन होने की कई घटनाएं हो चुकी हैं बोरवेल की परमिशन दी जाती है, बोरिंग में पानी नहीं निकलने पर गड्ढा बंद करवाने की जवाबदारी जमीन मालिक की होती है, जान-माल की हानि होने पर जमीन मालिक की जवबदेही तय की जाती है। यही वजह है कि मध्यप्रदेश में बच्चों की मौत के बाद जमीन मालिक पर अपराध दर्ज हुए हैं काबावजू इसके आज भी बोरवेल में होने वाले हादसे जस के तस बने हुए है। बता दें कि बोरवेल के गड्ढे खतरनाक और खुला पाए जाने पर जमीन मालिक के खिलाफ धारा 188 में कार्रवाई होती है, हर साल बोरवेल में बच्चों के गिरने के अब कई मामले सामने आते हैं, और फिर इन मासूम बच्चों को बचाने की कवायद में पूरा सरकारी अमला मय साजो-सामान के लगातर 24.48,72 घंटों तक भरपूर कोशिश में जुट जाता है सफलता ना मिलने की सूरत में सेना को भी बुलाया जाता है फिर भी अधिकांश मामलों में इन मासूम बच्चों की बोरवेल के भीतर ही दम घुटकर मौत हो जाती है। बोरवेल हादसे पिछले कुछ वर्षों से जागरुकता के प्रयासों के बावजूद निरन्तर सामने आ रहे हैं लेकिन इनसे सबक सीखने को कोई तैयार दिखता ही नहीं है। फिर ऐसे मामलों में अक्सर सेना एनडीआरएफ की बड़ी विफलता पर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वो स्वचालित तकनीक क्यों नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके या फिर नियम कायदे कानून इतन सख्त क्यों नहीं है कि बार बार ऐसे हादसे होने के कारण ही पैदा ना रहे,यह भी सच है कि जागरूकता की कमी या फिर लापरवाही हद से ज्यादा है कि अपने ही नौनिहालों की जान के दुश्मन हम खुद ही हैं 7सवाल यह भी है कि आखिर बार बार होते ऐसे दर्दनाक हादसों के बावजूद देश में बोरवेल और ट्यूबवेल के गड्ढे कब तक इसी प्रकार खुले छोड़े जाते रहगे और कब तब प्रिंस, मयंक, गीता या रीता जैसे मासूम जानें इनमें गिरकर इसी तरह दम तोड़ती रहेंगी। आखिर कब तक मासूमों की जिंदगी से ऐसा खिलवाड़ होता रहेगा? कोई भी बड़ा हादसा होने के बाद प्रशासन द्वारा बोरवेल खुला जोड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाकर सख्ती की बातें तो दोहरायी जाती हैं लेकिन बार-बार सामने आते ऐसे हादसे यह बताने के लिए पर्याप्त है कि सख्ती की ये सब बातें कोई घटना सामने आने पर लोगों के उपजे आक्रोश के शांत होने तक ही एनकाउंटर के रूप में ही बरकरार रहती हैं ,उसका बाद ठंडे बस्ते में कैद होकर अगले हादसे का इंतजार करती रहती है। ऐसे हादसों के लिए बोरवेल खुला छोड़ने वाले खेत मालिक के साथ-साथ ग्राम पंचायत और स्थानीय प्रशासन भी बराबर के दोषी होते हैं। उनके खिलाफ भी सख्ती के साथ कारवाई की जानी चाहिए। कड़वा है पर सच यह है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास नहीं किए गए, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। उल्लेखनीय है कि कुछ साल पहले मध्य प्रदेश के देवास जिले में खातेगांव कस्बे के उमरिया गांव में एक व्यक्ति को अपने खेत में सूखा बोरवेल खुला छोड़ देने के अपराध में जिला सत्र न्यायालय ने दो वर्ष सश्रम कारावास तथा 20 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई थी। अदालत ने अपने आदेश में कहा था कि लोग बोरवेल कराकर उन्हें इस प्रकार खुला छोड़ देते हैं, जिससे उनमें बच्चों के गिरने की घटनाएं हो जाती हैं और समाज में बढ़ रही लापरवाही के ऐसे मामलों में सजा देने से ही लोगों को सबक मिल सकेगा। अगर मध्य प्रदेश में जिला अदालत के उसी फैसले की तरह ऐसे सभी मामलों में त्वरित न्याय प्रक्रिया के जरिये दोषियों को कड़ी सजा मिले, तभी लोग खुले बोरवेल बंद करने को लेकर सक्रिय होंगे। अन्यथा बोरवेल इसी प्रकार मासूमों की जिंदगी छीनते रहेंगे और हादसा होने पर घड़ियाली आंसू बहाने तक ही अपनी भूमिका का निर्वाहन करते रहेंगे 7हैरानी है कि देश में औसतन 50 बच्चे ऐसे ही खुले पड़े बोरवेल में गिरकर जिंदगी की अंतिम सांस लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवन भर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। लेकिन कुछ समय बाद लोग सब कुछ भूल कर फिर नये हादसे तक अपने अपने जीवन में व्यस्त हो जाते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 2010 में ऐसे हादसों पर संज्ञान लेते हुए कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। फिर 2013 में कई दिशा-निर्देशों में सुधार करते हुए नए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिनके अनुसार गांवों में बोरवेल की खुदाई सरपंच तथा कृषि विभाग के अधिकारियों की निगरानी में करानी अनिवार्य है जबकि शहरों में यह कार्य ग्राउंड बाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग तथा नगर निगम इंजीनियर की देखरेख में होना जरूरी है। अदालत के निर्देशानुसार बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले ही एम, ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल को खुदाई से पहले उस जगह पर चेतावनी बोर्ड लगाया जाए और उसके खतरे के बारे में लोगों को सचेत किया जाना आवश्यक है। इसके अलावा ऐसी जगह को कंटीले तारों से घेरने और उसके आसपास कंक्रीट की दीवार खड़ी करने के साथ गड्ढों के मुंह को लोहे के ढक्कन से ढकना भी अनिवार्य है लेकिन इन दिशा-निर्देशों का कहीं भी पालन होता नहीं दिखता। कितने आश्चर्य की बात है कि रेस्क्यू ऑपरेशन पर अथह धन समय और श्रम नष्ट होता है। प्राय: होता है कि तेजी से गिरते भूजल स्तर के कारण नलकूपों को चालू रखने के लिए कई कर उन्हें एक जगह से दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ता है और पानी कम होने पर जिस जगह से नलकूप हटाया जाता है. वहां लापरवाही के चलते बोरवेल खुला छोड़ दिया जाता है। और अनजाने में ही कोई ऐसी अप्रिय घटना घट जाती है जो किसी परिवार को जिंदगी भर का असहनीय दर्द दे जाती है। समाज को जागरूक होने की जरूरत है। किस्मत और हालात अच्छे हों तो बच्चा जिंदा बाहर आ जाता है अन्यथा मासूम मौतों की भूमिका का निर्वहन करते रहेंगे। हैरानी है कि देश में हर वर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेल में गिर जाते हैं, जिनमें ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने हैं जहां बच्चे काल के गाल में असमय हो समा गए।

इस लेख की लेखक वरिष्ठ संपादक हैं...

ईरान के इजरायल पर हमले पर आया भारत का रिएक्शन, कहा- हम चिंतित हैं

नेशनल डेस्क॰ कल रात एक बड़े घटनाक्रम में, ईरान ने एक अभूतपूर्व बदला लेने के मिशन में इज़राइल पर दर्जनों ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइलें लॉन्च कीं, जिससे मध्य पूर्व युद्ध के करीब पहुंच गया। यह पहली बार था कि ईरान ने इज़राइल पर सीधा सैन्य हमला किया, जबकि दोनों देशों के बीच दुश्मनी 1979 में देश की इस्लामी क्रांति के समय से चली आ रही है। घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, इज़राइल ने कहा कि करीब 100 ड्रोन दागे गए, लेकिन उसकी हवाई सुरक्षा हमले के लिए पूरी तरह से तैयार थी। अमेरिका, जिसके पास पहले से ही इस क्षेत्र में अपनी सेना है, उसने कहा कि वह इज़राइल को पूर्ण समर्थन प्रदान करेगा। ईरान के इजरायल पर हमले के बाद भारत ने भी इस हमले पर चिंता व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय की ओर से एक बयान जारी करके इस हमले के साथ-साथ भारतीय नागरिकों के लिए भी

चिंता जताई गई है। बयान जारी करके भारत ने कहा, हम इजरायल और ईरान के बीच बढ़ती शत्रुता से गंभीर रूप से चिंतित हैं, जिससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को खतरा है. हम तत्काल तनाव कम करने, संयम बरतने, हिंसा से पीछे हटने और कूटनीति के रास्ते पर लौटने का आह्वान करते हैं। विदेश मंत्रालय ने आगे कहा, मंत्रालय उभरती स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है. क्षेत्र में हमारे दूतावास भारतीय समुदाय के साथ निकट संपर्क में हैं. यह महत्वपूर्ण है कि क्षेत्र में सुरक्षा और स्थिरता बनी रहे।

ईरान ने बदला लेने की कसम खाई

-दरअसल, 1 अप्रैल को सीरिया में एक ईरानी वाणिज्य दूतावास के अंदर हवाई हमले में दो ईरानी जनरलों की मौत हो गई थी। हमले के बाद, ईरान ने हमले के पीछे इज़राइल पर आरोप लगाया था। -पिछले साल गाजा पट्टी में हमास आतंकवादियों के खिलाफ युद्ध शुरू होने के बाद से इजराइल और ईरान टकराव की राह पर थे। ईरान समर्थित दो समूहों हमास और इस्लामिक जिहाद द्वारा 7 अक्टूबर को सीमा पार हमला करने के बाद युद्ध छिड़ गया था, जिसमें इज़राइल में 1,200 लोग मारे गए और 250 अन्य का अपहरण कर लिया गया था। अधिकारियों के अनुसार, गाजा में इज़राइल के हमले से व्यापक तबाही हुई और 33,000 से अधिक लोग मारे गए।-लेबनान में ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिज़बुल्लाह ने इजरायल की उत्तरी सीमा पर हमला करना शुरू कर दिया था। दोनों पक्ष दैनिक गोलीबारी में शामिल थे, यहां तक कि ईरानी समर्थित समूहों ने इज़राइल की ओर रॉकेट और मिसाइलें भी लॉन्च कीं। -ईरान की आईआरएनए समाचार एजेंसी द्वारा दिए गए एक बयान में, देश के अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड ने यह कहते हुए स्वीकार किया कि ज़ायोनी शासन के कब्जे वाले क्षेत्रों और ठिकानों की ओर दर्जनों ड्रोन और मिसाइलें दागी गईं।

बलूचिस्तान में आतंकियों का खौफ, 11 लोगों की गोलियां मारकर कर दी हत्या

नेशनल डेस्क॰ पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग घटनाओं में आतंकवादियों ने कम से कम 11 लोगों की हत्या कर दी, जिसमें नौ लोग पंजाब प्रांत के थे। अधिकारियों ने कहा कि प्रांत के नोशकी इलाके में बस से यात्रा कर रहे कम से कम नौ लोगों की हत्या कर दी गई। उन्होंने बताया कि बंदूकधारियों ने यात्रियों को बस से जबरन उतार दिया और यह पुष्टि करने के बाद उनका अपहरण कर लिया कि वे पंजाबी हैं। क्षेत्र के एक वरिष्ठ असैन्य अधिकारी हबीबुल्लाह मुसाखेल ने कहा, लगभग 10-12 बंदूकधारियों ने नोशकी के पास सुल्तान चरहाई के निकट क्वेटा-ताफ्तान राजमार्ग एन -40 को अवरुद्ध कर दिया और एक बस से नौ यात्रियों का अपहरण कर लिया। उन्होंने कहा कि बंदूकधारियों ने पहले यात्रियों के पहचान पत्रों की जांच की और फिर केवल पंजाब प्रांत के लोगों का अपहरण किया। उन्होंने बाद में उनकी हत्या कर दी और उनके शवों को पास के एक पुल के नीचे फेंक दिया। पुलिस ने

बताया कि एक अन्य घटना में इसी राजमार्ग पर बंदूकधारियों ने एक कार पर गोलीबारी की जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गयी। उसने कहा कि पीड़ितों में से एक प्रांतीय विधानसभा सदस्य गुलाम दस्तगीर बादिनी का भाई था। अभी तक किसी भी समूह ने हमलों की जिम्मेदारी नहीं ली है लेकिन बलूच राष्ट्रवादी पंजाब के लोगों के खिलाफ अकसर हिंसा करते हैं। उनका आरोप है कि पंजाब के लोगों ने बलूचिस्तान की खनिज संपदा निकाली। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इन हमलों की निंदा करते हुए प्राधिकारियों से घटना की रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने लोगों की मौत पर शोक जताया और कहा कि आतंकवादियों को सजा दिलायी जाएगी। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री मीर सरफराज बुगती ने कहा कि नोशकी राजमार्ग पर 11 लोगों की हत्या में शामिल आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें जल्द ही पकड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इन आतंकवादियों का उद्देश्य बलूचिस्तान की शांति भंग करना है। गृह मंत्री मोहसिन नकवी ने भी घटना की निंदा करते हुए कहा कि सरकार इस मुश्किल वक्त में मृतक के परिवारों के साथ है। अभी तक किसी भी प्रतिबंधित संगठन ने इन हत्याओं की जिम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन इस साल हाल के हफ्तों में प्रतिबंधित संगठनों और आतंकवादियों द्वारा आतंकी हमलों

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एनकाउंटर दौरान मारे गए दो पाक सैनिक व वांछित आतंकवादी

पेशावर॰ पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में शनिवार को एक अभियान के दौरान एक वांछित आतंकवादी को मार गिराया गया जबकि पाकिस्तानी सेना के दो सैनिक भी मारे गये। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। सुरक्षा बलों ने आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर प्रांत के बुनेर जिले में एक अभियान चलाया जिसमें आतंकवादी सलीम उर्फ रब्बानी मारा गया, जबकि दो अन्य आतंकवादी मुठभेड़ में घायल हो गए। सेना की मीडिया शाखा 'इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर)' के अनुसार रब्बानी के सिर पर 50 लाख रुपये का इनाम था और वह सुरक्षा बलों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों के साथ-साथ निर्दोष नागरिकों से जबरन वसूली और लक्षित हत्याओं में शामिल था। मुठभेड़ में दो अन्य आतंकवादी घायल भी हो गए। अभियान में पाकिस्तान सेना के दो जवान भी मारे गए। सेना के बयान में कहा गया है कि पाकिस्तान के सुरक्षा बल आतंकवाद के खतरे को खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पाकिस्तान में हाल के महीनों में आतंकवादी घटनाओं में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2024 की पहली तिमाही के दौरान 92 प्रतिशत से अधिक मौतें और 86 प्रतिशत हमले खैबर पख्तूनख्वा प्रांत और बलूचिस्तान में हुए।

डोनाल्ड ट्रंप ने जो बाइडेन को घेरा, कहा- मैं राष्ट्रपति होता तो ईरान कभी हमला नहीं करता

इंटरनैशनल डेस्क॰ ईरान ने शनिवार देर रात इजरायल पर अटैक कर दिया है। उनकी तरफ से 200 से ज्यादा मिसाइलें दागी गई हैं। हालांकि, इजरायली सेना ने दावा किया कि हमले बड़े स्तर पर नहीं हुए क्योंकि उन्होंने कई मिसाईलों को हवा में नष्ट कर दिया। अब दोनों देशों की लड़ाई ने एक बार फिर पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। अमेरिका ने इजरायली नागरिकों को सुरक्षा देने की बात कही है और ईरान द्वारा किए गए हमले पर निंदा व्यक्त की। इस हमले पर पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का भी रिएक्शन सामने आया है और उन्होंने जो बिडेन की आलोचना करते हुए कहा कि अगर मैं राष्ट्रपति होता तो इजरायल पर हमला नहीं होता। सामने आया ट्रंप का रिएक्शन हमले पर रिएक्शन देते हुए ट्रंप ने कहा, अगर मैं राष्ट्रपति होता तो ईरान कभी हमला नहीं करता।

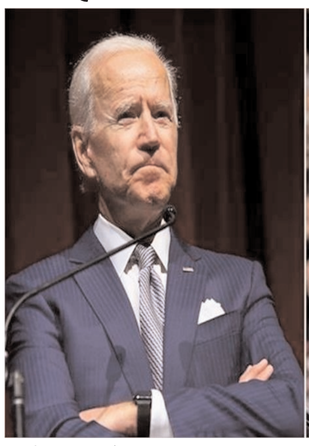

उनके पास पैसे नहीं थे, लेकिन अब उनके पास 221 अरब डॉलर हैं। और इराक, जो ईरान को सहायक कंपनी बन गया है, के पास 300 अरब डॉलर हैं। हम बहुत खतरनाक दौर में हैं क्योंकि हमारे पास एक बेहद कमजोर राष्ट्रपति है जो दो वाक्यों को एक साथ नहीं रख सकता है। इससे पहले ट्रंप ने कहा था कि इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से विश्व युद्ध होने का खतरा है। ट्रंप ने शुक्रवार को हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के साथ एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, इजरायल के साथ जो चल रहा है उसका अंत विश्व युद्ध के रूप में हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि वर्तमान समय और पांच नवंबर को होने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव के बीच बहुत कुछ हो सकता है, विशेष रूप से कमजोर अमेरिकी नेताओं के नेतृत्व में।

बाइडेन ने दिया इजरायल का साथ

ईरान के हमले पर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि वह इस जंग में इजरायल के साथ खड़ा है। अमेरिका ने कहा कि वह इजरायल की रक्षा के प्रतिबद्ध है। ईरान को इसका जवाब मिलेगा। इजरायली सेना हाई अलर्ट पर बता दें कि ईरान और इजराइल के बीच जंग शुरू हो गई है। ईरान ने आधी रात को इजराइल पर 200 बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलें दागीं हैं। हमले के बाद इजराइली सेना हाई अलर्ट है। ईरान ने कहा है कि इजराइल ने जो हमला किया था ये उसी का जवाब है। इजराइली सेना ने कहा कि वह इजराइली लक्ष्यों पर नजर रख रही है। ईरान के विध्वंसक हमले के बाद इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने तेल अवीव में वॉर मीटिंग बुलाई।

प्रधानाध्यापक स्कूल में करता था अश्लील हरकतें.... महिला टीचर्स ने लगाए गंभीर आरोप

शिक्षा के मंदिर यानी स्कूल में प्रधानाध्यापक द्वारा महिला शिक्षिकाओं से छेड़छाड़ व मानसिक उत्पीड़न को लेकर महिलाओं ने प्रधानाध्यापक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। स्कूल की कई शिक्षक महिलाएं अपने परिवार संग स्कूल पहुंची और प्रधानाध्यापक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। महिला शिक्षिकाओं का आरोप था प्रधानाध्यापक महिला शिक्षिकाओं से छेड़छाड़ और अश्लील बातें करते हैं। महिला शिक्षिकाओं ने थाना बिलासपुर में प्रधानाध्यापक के विरुद्ध तहरीर दी थी, जिसमें प्रधानाध्यापक के खिलाफ पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी हुई है।

जानिए, क्या है पूरा मामला?

सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, मामला जिले में आदर्श के रूप में पहचान बनाने वाले बिलासपुर कोतवाली क्षेत्र के मानपुर ओझा की कृष्णानगर कॉलोनी स्थित एक प्राइमरी विद्यालय का है। जहां शुक्रवार की दोपहर विद्यालय में तैनात आधा दर्जन से अधिक शिक्षिकाएं अपने परिजनों के साथ एकत्रित हुई इसके बाद सभी हंगामा करने लगी। शिक्षिकाओं का आरोप था कि उनके विद्यालय में तैनात प्रधानाध्यापक हरिराम दिवाकर लगातार उनके साथ लम्बे समय से छेड़छाड़ व मानसिक रूप से उनका उत्पीड़न कर रहे हैं और विरोध करने पर गाली-गलौज व अभद्रता करने पर उतारू रहते हैं। वहीं हंगामे के दौरान वहां ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई और सभी महिला शिक्षिकाएं इकट्ठा होकर दोपहर बाद कोतवाली पहुंचीं और प्रभारी निरीक्षक बलवान सिंह को लिखित तहरीर सौंप कार्रवाई की मांग की। जानिए, क्या कहना है स्कूल में तैनात मुस्लिम महिला टीचर का ? इस मामले पर स्कूल में तैनात शिक्षिका शादियां विराज ने बताया कि मैं इस विद्यालय में 5 साल से हूं। जब से मेरी पोस्टिंग हुई है तब से मेरे प्रधान अध्यापक जो हैं हर तरीके प्रताड़ित करते हैं। मैं एक मुस्लिम शिक्षिका हूं, टीचर का तो कोई धर्म नहीं होता। मैं यहां पर पढ़ाने आती हूं मुझे हर तरीके से धर्म के नाम पर भी मानसिक प्रताड़ना दी गई। तुम यह करो वह करो तुमने ऐसे कैसे कर दिया। मुझे तो अब और कहते हुए भी शर्म आती है इतनी सीनियक टीचर हैं यहां। यहां सारी महिलाएं घर जाकर रोती हैं। बस मैंने कंप्लेंट नहीं की। बच्चों से धार्मिक नारे लगवाते हुए जय श्रीराम कहलवाया गया। अगर कुछ बोलो तो कहते हैं कि मैंने इतना पैसा कमाया है कि मैं नोटों से ऐसे-ऐसे अधिकारी को खरीद लूंगा। जानिए, क्या कहना है जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजीव कुमार का? इस मामले पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी संजीव कुमार ने बताया यह प्रकरण मेरे संज्ञान में आया। कंपोजिट विद्यालय कृष्णा नगर बिलासपुर में यहां की जो सहायक अध्यापक आए हैं उन्होंने वहां के प्रधानाध्यापक पर कुछ अश्लील हरकत करने के आरोप लगाए हैं। इस प्रकरण में एफआईआर दर्ज हो गया है। कार्यालय स्तर से इसमें प्रारंभिक जांच हेतु कमेटी गठित की जा रही है।

पत्नी पर बुरी नजर रखता था पिता, बेटे ने बिजली के झटके देकर मार डाला

बिलासपुर॰ छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से एक दुखद घटना सामने आई है, जहां एक बेटे पर अपने ही पिता की हत्या का आरोप लगा है। दिल दहला देने वाली घटना में, कोटा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में बेटे, जिसकी पहचान सागर यादव के रूप में की गई है, ने कथित तौर पर अपने पिता सूरज यादव को बिजली का झटका देकर मार डाला। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि सागर द्वारा हत्या को प्राकृतिक मौत के रूप में छिपाने की साजिश की गई, लेकिन उसकी प्लानिंग को उसकी सौतेली मां ने विफल कर दिया। घटना तब सामने आई जब मृतक की पत्नी राधा यादव को 24 मार्च की सुबह सूरज यादव की लाश उनके रामनगर स्थित आवास पर मिली। राधा को इस पर शक हुआ और अधिकारियों को सचेत किया, यह संदेह करते हुए कि उसके पति की मृत्यु वैसी नहीं थी जैसी दिख रही थी। बारीकी से निरीक्षण करने पर संदेह की पुष्टि हो गई। पोस्टमार्टम जांच से पता चला कि सूरज यादव की मौत बिजली के झटके से हुई थी, जिससे अधिकारियों को उसकी मौत के आसपास की परिस्थितियों की गहराई से जांच करने में मदद मिली। मृतक के बेटे सागर यादव ने स्वीकार किया कि उसने जीआई तार से करंट लगाकर अपने पिता की हत्या की योजना बनाई थी। हालाँकि, जिस बात ने जांचकर्ताओं और समुदाय को झकझोर कर रख दिया वह इस जघन्य कृत्य के पीछे का मकसद था। सागर ने दावा किया कि उसके पिता उसकी पत्नी, सागर की बहू पर बुरी नज़र थी और उसने उसे अपराध करने के लिए प्रेरित किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने कहा, सागर यादव ने अपने कृत्य के पीछे अपने पिता की अपनी पत्नी पर बुरी नज़र को कारण बताते हुए हत्या की बात कबूल कर ली। सूरज यादव की मौत को स्वाभाविक मानने की शुरुआती कोशिश को उनकी दूसरी पत्नी देवकी यादव और बहन सावित्री सहित परिवार के सदस्यों ने तुरंत खारिज कर दिया, जिन्होंने पुलिस के सामने अपना संदेह व्यक्त किया।

स्पष्ट जनादेश के नतीजे भी स्पष्ट होते हैं, हमें आर्टिकल 370 को हटाने में मदद मिली, घोषणापत्र पर बोले जेपी नड्डा

नेशनल डेस्क॰ भाजपा ने 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए अपना घोषणापत्र जारी किया। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी मुख्यालय में नेताओं की सभा को संबोधित किया और कहा कि आम चुनाव के लिए पार्टी का घोषणापत्र दर्शाता है कि भाजपा के संस्थापकों के पास क्या था। देश के लिए कल्पना की। नड्डा ने कहा, हमारा घोषणापत्र दर्शाता है कि भाजपा के संस्थापकों ने देश के लिए क्या कल्पना की थी। पीएम मोदी ने आम आदमी की समझ को सरल बनाया है और इसे %सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास% कहा है।

आपने हमें स्पष्ट जनादेश दिया और स्पष्ट परिणाम आए- नड्डा

जेपी नड्डा ने कहा, आज, जब हम संकल्प पत्र लॉन्च कर रहे हैं, तो हम सीखेंगे और चर्चा करेंगे कि हम पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अगले पांच वर्षों तक देश की सेवा कैसे करेंगे। नड्डा ने कहा, आपने

हमें स्पष्ट जनादेश दिया और स्पष्ट परिणाम आए। आपने स्पष्ट जनादेश दिया और अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया। हमने वो दिन भी देखे जब कांग्रेस के वकील खड़े होकर न्यायिक प्रक्रिया को रोकने की कोशिश करते थे और कहते थे कि इससे भारतीयों को फायदा होगा। उन्होंने वोट बैंक की राजनीति की और बाधाएं पैदा करते रहे लेकिन प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ।

10 करोड़ से ज्यादा गैस सिलेंडर बांटे जा चुके

सत्तारूढ़ सरकार द्वारा किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए, भाजपा अध्यक्ष ने कहा, पीएम आवास योजना के तहत चार करोड़ घर बनाए गए हैं और यह काम आगे भी जारी रखा जा रहा है। आज, 50 करोड़ जनधन खातों में से 55.5 प्रतिशत जनधन खाते महिलाओं के नाम पर खोले जाते हैं। उन्होंने कहा, आज देश में उज्वला योजना के तहत 10 करोड़ से ज्यादा गैस सिलेंडर बांटे जा चुके हैं। देशभर में 11 करोड़ से ज्यादा इज्जत घर बनाए गए हैं। 60,000 नए गांवों को पक्की सड़कों से जोड़ने का काम किया गया है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569